www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 ट्रंप रूपी आपदा को अवसर में बदलें, टैरिफ से निपटने के लिए उठाने होंगे बड़े कदम

भारत पर एक्शन लेने को यूरोपीय देशों को उकसा रहे थे ट्रंप 06

वर्ष :17 | अंक :153 | प्रयागराज , मंगलवार , 02 सितम्बर , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बिहार के सात जिलों में चलाई जा रही है पान विकास योजना

बिहार सरकार अपने कृषि रोड मैप के जरिए विविध प्रकार की फसलों की खेती को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए अनुदान भी दिए जा रहे हैं ताकि किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। इसी कड़ी में बिहार सरकार के कृषि विभाग ने पान विकास योजना की शुरूआत की है। विभाग इस योजना के तहत पान की खेती करने वाले किसानों को भारी अनुदान भी दे रहा है। योजना का लाभ उठाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। इस योजना के तहत दी जा रही अनुदान राशि खेती के क्षेत्र पर निर्भर करती है, जो न्यूनतम 100 वर्गमीटर (0.01 हेक्टेयर) से लेकर अधिकतम 300 वर्गमीटर तक हो सकती है। किसानों को प्रति खेती के लिए 11,750 रुपये से 35,250 रुपये तक का अनुदान मिलता है। यह राशि 50% अनुदान के रूप में दी जाती है, जहां कुल लागत 70,500 रुपये प्रति 300 वर्गमीटर निर्धारित की गई है। इससे छोटे और सीमांत किसान भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2025-26 के लिए भी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 के लिए कुल 491.385 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है।

दिल्ली में बाढ़ का अलर्ट, हथिनीकुंड से पानी छोड़ने के बाद यमुना खतरे के निशान पर

दिल्ली सरकार ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने की आशंका है। अधिकारियों को निचले इलाकों में गश्त के साथ-साथ कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि चूँकि ओआरबी (दिल्ली ओल्ड रेलवे ब्रिज) का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर सकता है और 206.50 मीटर से अधिक होने की संभावना है, इसलिए जल्द ही केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की एक सलाह जारी होने की उम्मीद है। इसलिए, सभी सेक्टर अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखें और संवेदनशील स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई करें, जैसे कि नदी के तटबंधों के भीतर रहने वाले लोगों को चेतावनी दी जाए और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए,₹ दिल्ली सरकार के एक आदेश में कहा गया है। बयान में कहा गया है कि पुलिस और वन एवं वन भूमि संरक्षण विभाग के कर्मचारी दाएं और बाएं सीमांत तटबंधों पर गश्त करेंगे और आवश्यकतानुसार संवेदनशील बिंदुओं, नियामकों/पंपों आदि पर चौबीसों घंटे निगरानी रखेंगे। गुरुवार को दिल्ली के मयूर विहार में बाढ़ राहत शिविर स्थापित किया गया।

महात्मा गांधी की हत्या करने वाले, अब संविधान का गला घोंटना चाहते हैं:राहुल गांधी

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि माधवपुरा में एटम बम दिखाया था. बिहार में हाइड्रोजन बम दिखाएंगे.

वोटर अधिकार यात्रा

यह क्रांतिकारी प्रदेश है. यहां से मैसेज दिया गया, वोट चोरी नहीं होने देंगे. आने वाले समय में हाइड्रोजन बम के बाद मोदी जी अपना चेहरा इस देश को नहीं दिखा पाएंगे:राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

एजेंसी

पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज पटना में वोटर अधिकार यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। राहुल गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नहीं हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ों फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा ही बेंगलुरु सेंट्रल की एक विधानसभा सीट पर हुआ और हमारी तरफ से जांच की गई तो पता चला कि एक लाख फर्जी वोट जोड़े गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख वोट काट लिए गए तो चुनाव आयोग की चोरी जगजाहिर हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की वोटर अधिकार यात्रा का जन्म यहीं से हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं।

वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, लोगों से की संविधान और देश बचाने की अपील

पटना: झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन बिहार में चल रही राहुल गांधी-तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने पटना पहुंचे. जहां वे यात्रा में शामिल हुए. पटना एयरपोर्ट पहुंचने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी. सीएम हेमंत सोरेन ने अपना संबोधन झारखंडी जोहार से शुरूआत की. उन्होंने कहा कि मैं आपसे अपील करने आया हूं कि यह वोट किसी पार्टी का वोट नहीं है, यह देश का वोट है. इसी वोट से देश और संविधान को बचाया और तोड़ा जाता है.

'बिहार से विक्ट्री और गुजरात में फैक्ट्री.. अब ये नहीं चलेगा', पीएम मोदी पर भड़के तेजस्वी यादव

पटना: कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ इंडिया गठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' का आज समापन हो गया है. आखिरी दिन पटना के गांधी मैदान में सभा को संबोधित करते हुए बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोला. नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की धरती लोकतंत्र की जननी है लेकिन दो लोग चाहते है कि यहां से लोकतंत्र को खत्म कर दिया जाए. वहीं गुजरात के विकास के बहाने पर भी पीएम पर तंज कसा. 'बिहार से विक्ट्री और गुजरात में फैक्ट्री': नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनावों में बिहार की जनता ने बीजेपी और पीएम मोदी को वोट दिया लेकिन उन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया. आरजेडी नेता ने कहा कि मोदी जी वोट तो बिहार से चाहते हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन और जापान की अपनी यात्रा खत्म कर दिल्ली पहुंचे

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का आह्वान

एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के वित्तपोषण और कट्टरपंथ के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का आह्वान किया. हाल ही में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख करते हुए, उन्होंने समूह से उन देशों को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया जो सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं और उसका समर्थन करते हैं. उन्होंने किर्गिस्तान को एससीओ की अध्यक्षता ग्रहण करने पर बधाई भी दी.

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को चीन और जापान की यात्रा के बाद भारत पहुंच चुके हैं. उन्होंने जापान में 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया थ, जबकि चीन में वह शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया था. इस दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं. इससे पहले पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, चीन की एक सफल यात्रा का समाप्त, जहां मैंने एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लिया और विभिन्न विश्व नेताओं के साथ बातचीत की. साथ ही प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर भारत के रुख पर जोर दिया. इस शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग, चीनी सरकार और लोगों का आभार.राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, जहां दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में हुई अपनी बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति और निरंतर प्रगति का स्वागत किया. दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि विकास साझेदार हैं और इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को विवादों में नहीं बदलने देना चाहिए.

शिखर सम्मेलन में कई मुद्दों पर चर्चा

शिखर सम्मेलन में एससीओ विकास रणनीति, वैश्विक शासन में सुधार, काउंटर टेररिज्म, शांति और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय सहयोग, और सतत विकास पर व्यापक चर्चा हुई. अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ ढांचे के तहत सहयोग को मजबूत करने के भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और तीन प्रमुख स्तंभों – सुरक्षा, संपर्क और अवसर – पर एक्शन का जोर दिया.

संस्थाओं के सुचारु संचालन, विवादों को कम करने और पारदर्शिता बढ़ाने को शीघ्र लागू होगा नया सोसाइटी पंजीकरण एक्ट: मुख्यमंत्री

सदस्यता, प्रबंधन और चुनाव विवादों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था भी होगी

मुख्यमंत्री का निर्देश, विवाद की स्थिति में प्रशासक की तैनाती ठीक नहीं, प्रबंध समिति ही तय करे अपना विधान. नए सोसाइटी पंजीकरण एक्ट के प्रारूप पर मुख्यमंत्री ने दिए दिशा-निर्देश, कहा, सोसाइटी के आंतरिक कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप न हो. मुख्यमंत्री का निर्देश, नए कानून में निष्क्रिय एवं संदिग्ध संस्थाओं के विघटन और संपत्ति सुरक्षा के लिए ठोस प्रावधान हों.

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के स्थान पर उत्तर प्रदेश में नया कानून लागू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि सोसाइटी के रूप में पंजीकृत संस्थाओं के पंजीकरण, नवीनीकरण तथा उनकी संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए युगानुकूल और व्यावहारिक प्रावधान किए जाने चाहिए। वर्तमान अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के निरस्तीकरण/विघटन और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन, तथा सदस्यता, प्रबंधन और चुनाव संबंधी विवादों के समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट प्रावधानों का अभाव है। इसी प्रकार, वित्तीय अनुशासन के लिए ऑडिट, निधियों के दुरुपयोग पर नियंत्रण।

जम्मू में बाढ़ से मची तबाही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हालात का किया आकलन

सिन्हा और उमर अब्दुल्ला के साथ, शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। वह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुँचे थे।

एजेंसी

जम्मू में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजभवन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद, जिसमें विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी मौजूद थे, शाह जिले के सबसे अधिक प्रभावित गांव मंगूचक सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। सिन्हा और उमर अब्दुल्ला के साथ, शाह बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुके और नदी के किनारे हुए नुकसान का निरीक्षण किया। वह बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुँचे थे। 14 अगस्त से किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में 130 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 33 लापता हैं। 26-27 अगस्त के दौरान रिकॉर्ड बारिश के कारण जम्मू और अन्य मैदानी इलाकों के निचले इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। मृतकों में 34 तीर्थयात्री शामिल हैं, जो 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी मंदिर जाते समय हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे।खराब मौसम और मार्ग पर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वैष्णो देवी यात्रा सोमवार को सातवें दिन भी स्थगित रही। कटरा स्थित आधार शिविर वीरान पड़ा रहा।

दावे और आपत्तियां 1 सितंबर की समय सीमा के बाद भी दाखिल की जा सकती हैं: सुप्रीम कोर्ट

'पैरालीगल स्वयंसेवकों करें तैनात'

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एसआईआर को लेकर भ्रम को काफी हद तक विश्वास का मुद्दा करार देते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त को पब्लिश ड्राफ्ट लिस्ट पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने में व्यक्तिगत मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सहायता के लिए पैरालीगल स्वयंसेवकों को तैनात करे.

एजेंसी

नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रीविजन अभ्यास के तहत तैयार वोटर लिस्ट के मसौदे में दावे, आपत्तियां और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही उन पर विचार किया जाएगा. जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनाव आयोग की दलील पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नामांकन पत्र जमा करने की लास्ट डेट तक दावे और आपत्तियां दायर की जा सकती हैं. चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा, समय सीमा में किसी भी तरह का विस्तार पूरी प्रक्रिया।

पंजाब के 1300 से ज्यादा गांवों में बाढ़

हिमाचल आपदा प्रभावित राज्य घोषित, हरियाणा में 2.50 लाख एकड़ में फसलों को नुकसान

चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। हरियाणा के 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक 2.50 लाख एकड़ में फसलों को नुकसान हुआ है। करीब 40 हजार किसान प्रभावित हुए हैं।

एजेंसी

देहरादून, उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। पंजाब के 9 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। भाखड़ा डैम में फ्लड गेट 4-4 फीट तक खोल दिए हैं।

हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो गई। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित किया है। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में केदारनाथ नेशनल हाईवे पर सोमवार को लैंडस्लाइड के बाद दो यात्रियों की मौत और छह लोग घायल हो गए।

हिमाचल में मणिमहेश यात्रा पर निकले 4 श्रद्धालुओं के शव मिले

हिमाचल के चंबा में मणिमहेश यात्रा पर निकले 4 श्रद्धालुओं के शव मिले हैं। 25 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है।

इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास से निकले धनखड़

अभय चौटाला के फार्महाउस में रहेंगे; विपक्ष ने हाउस अरेस्ट का आरोप लगाया था

धनखड़ अब तक संसद भवन के पास उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रह रहे थे। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

एजेंसी

नई दिल्ली , पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अब दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित अभय चौटाला के फार्महाउस में रहेंगे। सोमवार शाम 6 बजे उन्होंने इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रमुख अभय चौटाला ने दैनिक भास्कर को बताया कि हमारे परिवार के धनखड़ जी से पुराने रिश्ते हैं। हमने उनसे हमारे घर में रहने की अपील की, जो उन्होंने मान ली। धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को पद से इस्तीफा दे दिया था।

पलटवार पूछा- हलफनामे से क्यों भागते हैं?

राहुल के हाइड्रोजन बम पर रविशंकर प्रसाद का पलटवार, बताया 'फुस्स पटाखा'

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराए जाने और भाजपा को एक और हाइड्रोजन बम की चेतावनी दिए जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने सोमवार को उन्हें गैरजिम्मेदार और समझने में कठिन कहा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रसन्नतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी मैं राहुल गांधी को बोलते हुए सुनता हूं, चाहे संसद के अंदर हो या बाहर, मुझे कई प्रकार के एंटीना लगाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने कहा कि मैंने एटम बम फोड़ा है, अब हाइड्रोजन बम फोडूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतगणना को लेकर कर्नाटक में जो उनका एटम बम था वो तो फुस्स हो गया, वो दिवाली का एक छोटा पटाखा भी नहीं निकला, और वो हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे हैं। अभी तक तो दुनिया में भी हाइड्रोजन बम नहीं फूटा है। कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि एक बार उन्होंने (राहुल गांधी) कहा था कि 5-6 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है। दूसरी बात उन्होंने कही, तपस्या करने से गर्मी होती है। इसलिए एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है, इसके लिए मुझे जानकारी प्राप्त करनी पड़ेगी। राहुल गांधी जी... इतना अपने आप को हल्का क्यों बना रहे हैं, आप विपक्ष के नेता के पद पर हैं, इसकी गरिमा होती है। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए हैं, लेकिन हलफनामे के मुद्दे पर वह चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि मैं तीन सवाल उठाना चाहता हूँ जिनका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए: 1.21 लाख लोग मर चुके हैं। क्या उन्हें अब भी मतदाता सूची में रहना चाहिए? 2.35 लाख लोग अब अपने पंजीकृत पते पर नहीं रहते। क्या उनके नाम बने रहना चाहिए? 3.7 लाख नाम दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। क्या उन्हें दो बार मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आपत्तियाँ हलफनामों के माध्यम से दर्ज की जानी चाहिए। राहुल गांधी इससे क्यों भाग रहे हैं? क्योंकि उन्हें पता है कि हलफनामे में झूठ बोलने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहले बिहार में जब चुनाव होता था तो कितनी बूथ कैप्चरिंग होती थी, बूथ तक लूट लिया जाता था। लेकिन आज बूथ कैप्चरिंग खत्म हो गई है। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं। आज ईवीएम में जाइए, बटन दबाइए और रिजल्ट सामने आता है। आज जो अखिलेश और तेजस्वी यादव कहते हैं कि बैलेट पेपर लाओ... क्योंकि इनके दिल में दर्द है कि ये लोग बूथ कैप्चरिंग नहीं कर पा रहे हैं।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी के 'हाइड्रोजन बम' बयान पर तीखा पलटवार करते हुए उनके आरोपों को गैर-जिम्मेदाराना बताया। प्रसाद ने चुनाव आयोग की पारदर्शिता का बचाव करते हुए अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव द्वारा बैलेट पेपर की मांग को बूथ कैप्चरिंग दोबारा शुरू करने की मंशा करार दिया।

नितिन गडकरी का बेबाक बयान: जो लोगों को मूर्ख बना दे, वही सबसे अच्छा नेता

नितिन गडकरी ने नागपुर में राजनीति की कड़वी हकीकत बयां करते हुए कहा कि अक्सर वही सबसे अच्छा नेता माना जाता है जो लोगों को सबसे ज्यादा मूर्ख बना सकता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनके क्षेत्र में सच बोलना हतोत्साहित किया जाता है, जो राजनीतिक नैतिकता पर गंभीर सवाल उठाता है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को लोगों से ईमानदारी और विश्वसनीयता के साथ काम करने का आग्रह किया और कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने कहा कि यद्यपि शॉर्टकट से शीघ्र परिणाम प्राप्त करने में मदद मिल सकती है, लेकिन यह आपको छोटा कर देता है। अखिल भारतीय महानुभाव परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जैसा कि भगवान कृष्ण ने भगवद गीता में लिखा है, अंत में सत्य की ही जीत होती है। गडकरी ने कहा कि राजनीति में सच बोलना मना है। उन्होंने कहा कि यह कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है, क्योंकि जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, वहाँ पूरे दिल से सच बोलने को हतोत्साहित किया जाता है। एक मराठी कहावत का हवाला देते हुए - हाओसे, नावसे, गावसे (हर किसी की अपनी शैली और उद्देश्य होते हैं) - गडकरी ने कहा कि अंततः, जो नेता लोगों को मूर्ख बनाकर अपनी बात मनवा लेता है, अक्सर वही सफल होता है। गडकरी ने कहा कि अक्सर यह माना जाता है कि जो लोगों को सबसे ज्यादा बेवकूफ बना सकता है,

सम्पादकीय

पहले से हो तैयारी

हिमालय क्षेत्र में उत्तराखंड से जम्मू-कश्मीर तक भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही मची है, जिसमें कई लोगों की जान गई है। वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से 32 लोगों की मौत हो गई और यात्रा रोक दी गई। हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है। जनजीवन पर असरः जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली। राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। धराली से जम्मू तकः इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरूआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी। भीड़ पर नियंत्रणः इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके। वॉर्निंग सिस्टमः प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है। राहत पर फोकसः मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। दूसरे राज्यों के पर्यटक और श्रद्धालु अब भी विभिन्न जगहों पर फंसे हुए हैं। अभी इन सभी की सुरक्षित घर वापसी और राहत-बचाव पर फोकस होना चाहिए। साथ में, ऐसी नीतियों की जरूरत है, जिसमें पहाड़ों की संवेदनशीलता का ख्याल रखा गया हो।

आज का विचार

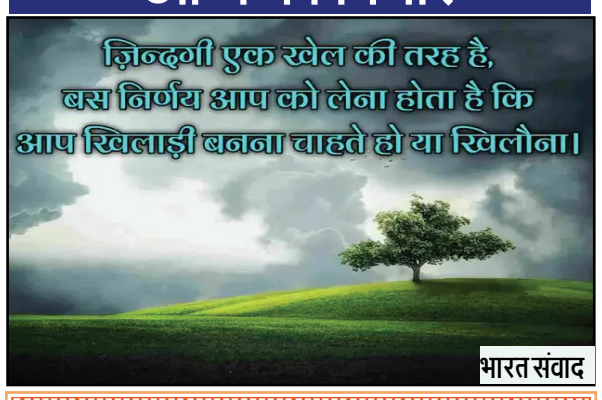

राशिफल

मेष राशि : आपका दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको एक साथ कई जिम्मेदारियां उठानी पड़ सकती हैं। जिससे शारीरिक और मानसिक तनाव बढ़ने की संभावना है। लेकिन समझदारी और बुद्धिमानी से फैसले लेने से आप हर परिस्थिति को आसानी से संभाल सकते हैं।

वृषभ राशि: व्यवसाय के क्षेत्र में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आप धीरे-धीरे सफलता की राह पर आगे बढ़ते जाएंगे, जिससे तनाव भी कम होगा। लेकिन इस समय आपको कोई भी नया काम करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह समय आपके लिए अनुकूल नहीं है। राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिद्वंदी आपसे आगे निकलने का प्रयास कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यों को समय पर पूरा करके आप शाम को परिवार के साथ समय बिता सकते हैं।

मिथुन राशि: कारोबार के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। बौद्धिक और व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, भाग्य का भी साथ मिलेगा जिससे आपके कई अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

कर्क राशि : कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णय सही साबित होंगे, जिससे लाभ मिलने की भी संभावना है। व्यापार में नए संपर्क बनाने से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। लेकिन कार्यक्षेत्र में कोई सहकर्मी आपके लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है। ऐसे में सावधान रहना जरूरी होगा।

सिंह राशि : आपको हर मामले में भाग्य का साथ मिल सकता है, जिससे मन को संतुष्टि महसूस होगा। कार्यक्षेत्र में विरोधियों द्वारा आपके लिए बनाए गए प्लान असफल रहेंगे। सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि होने की संभावना है। ऐसे में मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि: कार्यक्षेत्र में दिन सामान्य से बेहतर बना रहेगा और विरोधी की आपके खिलाफ बनाई गई योजनाएं फेल होंगी। व्यापार के मामले में लाभ कमाने के शुभ अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आप वृद्धजनों की सेवा और पुण्य कार्यों में कुछ धन भी खर्च कर सकते हैं।

तुला राशि: आपको कार्यक्षेत्र में अपने सभी कामों को समय पर पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। अधिक प्रयासों के बाद भी अपेक्षित लाभ न मिलने और आय कम होने के चलते आप का मन उदास हो सकता है।

वृश्चिक राशि : दिन आपके लिए थोड़ा चुनौती पूर्ण हो सकता है। लेकिन व्यवसाय के क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण अनुबंध या फैसला आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है, जिससे संतुष्टि महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में मीटिंग या चर्चा में आप सभी को अपनी बातें सही तरीके से समझाने में कामयाब रहेंगे।

धनु राशि : व्यापार और कारोबार के मामले में दिन बेहतरीन रहने वाला है और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कार्यों में आपको सफलता मिल सकता है, जिससे धन-धान्य में वृद्धि होगी। वहीं, व्यापार के मामले में भी धन लाभ के योग बन रहे हैं।

मकर राशि: आपका दिन मिलाजुला रह सकता है। समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। वहीं, कुछ महान व्यक्ति से मुलाकात होने के कारण आपका मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों के सहयोग और समर्थन से आपको किसी प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद से छुटकारा मिल सकता है।

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपको अपने प्रयासों और मेहनत का अब शुभ फल प्राप्त हो सकता है। वहीं, लंबे समय से बीच में अटके हुए काम अब पूरे हो सकते हैं। आपको कहीं से धन कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मीन राशि : आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है और भाग्य का पूरा साथ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं और कार्यस्थल पर विरोधी परास्त होंगे। वहीं, व्यवसाय के मामले में भी दिन लाभदायक रहेगा और अपने कारोबार में धन लगाने से अधिक मुनाफा मिलने की संभावना है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ट्रंप रूपी आपदा को अवसर में बदलें, टैरिफ से निपटने के लिए उठाने होंगे बड़े कदम

आर्थिक सुधारों को 35 साल हो रहे हैं पर क्या हम एक भी ऐसा ब्रांड बना पाए हैं जो अमेरिका जापान जर्मनी और कोरिया के ब्रांडों की तरह वैश्विक हो? सालों से गूगल माइक्रोसाफ्ट फेसबुक और एपल की कोडिंग करते बनाते और उन्हें चलाते आ रहे हैं लेकिन चीन की तरह अपने बाइडू वीचैट टिकटाक और हुआवे क्यों नहीं बना पाए?

पंचतंत्र की कथा है। एक तालाब में तीन मछलियां रहती थीं- अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति और यद्भविष्य। अनागतविधाता आने से पहले उपाय कर लेती थी। प्रत्युत्पन्नमति समस्या आने पर कुछ करती और यद्भविष्य भाग्य के भरोसे रहती थी। चीन को आप अनागतविधाता मान सकते हैं और भारत को प्रत्युत्पन्नमति, जो संकट सिर पर आने पर ही अपने हाथ-पांव मारता है। हम आजाद तो गांधी जी के स्वावलंबन के नारे के साथ हुए थे, मगर अन्न की आत्मनिर्भरता के लिए हरित क्रांति पर काम तब तक शुरू नहीं किया गया जब तक भयंकर अन्न संकट से दो-चार नहीं हुए। आर्थिक सुधार तब तक नहीं किए, जब तक 1991 में देश संरक्षणवाद और लाइसेंस राज की वजह से दिवालिया होने के कगार पर नहीं जा पहुंचा। इसी तरह उद्योगों में आत्मनिर्भरता की बात हमें तब तक याद नहीं आई जब तक कोविड महामारी ने आर्थिकी को ठप नहीं कर दिया। अब ट्रंप की अप्रत्याशित नीति ने विदेश व्यापार और विदेश नीति के मोर्चे पर हमारे लिए संकट खड़ा कर दिया, जिसके समाधान के लिए आत्मनिर्भर भारत की बात दोहराई जा रही है। टैरिफों को अपनी ही केंद्रीय अदालत द्वारा अवैध ठहराने के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने 25 वर्षों के सामरिक और आर्थिक संबंधों को ताक पर रखते हुए भारत पर लगाए टैरिफ को 25 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। यही नहीं, भारत के सेवा क्षेत्र को निशाना बनाने वाले मोर्चे भी खोले जा रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस हर साल प्रशिक्षित पेशेवरों के लिए 65 हजार और उच्च शिक्षा के लिए 20 हजार वीजा देती है जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत वीजा भारतीय पेशेवर और छात्र हासिल करते हैं। चूंकि सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय कंपनियां एच-1बी वीजा के जरिये ही अपने प्रशिक्षित कर्मचारी अमेरिका भेजती हैं, इसलिए ट्रंप सरकार इसी पर अंकुश लगाना चाहती है। हालांकि खुद ट्रंप के कारोबार में एच-1बी वीजा पर आए पेशेवर काम करते हैं, पर उनके वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और फ्लोरिडा के गवर्नर रान डेसेंटिस को एच-1बी वीजा की व्यवस्था घोटाला नजर आती है। गवर्नर डेसेंटिस ने तो यहां तक कहा है कि भारत ने इसे अमेरिकी व्यवस्था का दोहन करने का कुटीर उद्योग बना रखा है। ट्रंप सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों के एफ वीजा और एक्सचेंज छात्रों के जे वीजाओं पर भी कड़ी समय सीमाएं लगाने जा रही है। ग्रीन कार्ड की जगह भी 50 लाख डालर से मिलने वाले गोल्ड कार्ड शुरू किए जा रहे हैं जिनके सहारे ट्रंप अमेरिका के कर्ज को उतारना चाहते हैं। व्यापार और आप्रवासन को लेकर ट्रंप सरकार का यह रवैया भले नाटकीय लगे, लेकिन अप्रत्याशित नहीं है। उनके पहले कार्यकाल के कामों से और चुनाव प्रचार से इसके स्पष्ट संकेत मिल चुके थे। भारत की ऊंची आयात-शुल्क दरों और एच-1बी वीजा के मामले पर ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी तनातनी हुई थी। भावी और अत्याधुनिक तकनीक को लेकर उनका संरक्षणवादी रवैया भी नया नहीं है, मगर भारत ने समय रहते इनसे निपटने के लिए कोई तैयारी नहीं की। क्रयशक्ति, उपभोग और आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता की दृष्टि से अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण मंडी है। उसमें मिले प्रवेश का भारतीय व्यापारियों ने सामर्थ्य के हिसाब से पूरा लाभ उठाया, लेकिन क्या हम ऐसी वैकल्पिक मंडी तैयार कर पाए जहां भारतीय व्यापारी अमेरिका में राजनीतिक या आर्थिक अड़चनें खड़ी होने पर अपना माल बेच सकें। यूरोपीय संघ की मंडी अमेरिका का एक अच्छा विकल्प बन सकती थी। चीन ने मौजूदा हालात का पूर्वानुमान करते हुए यूरोप के साथ अपना व्यापार अमेरिका से भी अधिक बढ़ा लिया, परंतु भारत पिछले तीन साल से यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर अटका हुआ है। चीन ने अपना व्यापार आसियान की मंडियों में भी फैलाया। इसीलिए जब ट्रंप ने टैरिफ की धमकी दी तो चीन ने वाक युद्ध में न उलझते हुए पहले बराबर का टैरिफ लगाकर और फिर उच्च प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक दुर्लभ खनिजों और चुंबकों के निर्यात को रोककर ट्रंप को झुकने पर मजबूर कर दिया। भारत भी अब यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस, आस्ट्रेलिया जैसे देशों में व्यापार बढ़ाने और रक्षा, ऊर्जा, चिकित्सा, सेमीकंडक्टर और एआइ जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने मई 2020 में इसी के लिए 20 लाख करोड़ के पैकेज की घोषणा की थी, पर क्या उससे कुछ प्रगति हुई? प्रत्युत्पन्नमति मछली की तरह संकट मंडराने पर जरूर हम कुछ सुधार करते हैं। कुछ के नाम लेते हैं, पर संकट टलने के बाद भूल जाते हैं। जरूरत उन्हें जारी रखने की है। प्रधानमंत्री ने जापान में उद्योगपतियों से कहा कम, मेक इन इंडिया, लेकिन क्या उसके लिए हम जरूरी आर्थिक सुधार, भूमि सुधार, श्रम सुधार और कार्यसंस्कृति के सुधार करने के लिए तैयार हैं? जापान में हड़तालें न के बराबर होती हैं और तोड़फोड़ नहीं होती। क्या भारत में ऐसी कार्यसंस्कृति संभव है? सुधारों की जरूरत कृषि और सार्वजनिक क्षेत्रों में भी है। चीन ने अपने इंजन बनाकर छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान तैयार कर लिए हैं। जबकि हमें विदेशी इंजन लगाकर भी तेजस को बनाते-बनाते 40 बरस बीत गए हैं। चीन अपना सामान बनाने में स्वचालन, एआइ या यंत्रबुद्धि और प्रशासन की निगरानी में इष्टतम प्रक्रिया का प्रयोग करता है। दुनिया की मंडियों में उसके माल से प्रतिस्पर्धा के लिए भारत को उससे भी कुशल उत्पादन प्रक्रिया अपनानी होगी। आर्थिक सुधारों को 35 साल हो रहे हैं, पर क्या हम एक भी ऐसा ब्रांड बना पाए हैं जो अमेरिका, जापान, जर्मनी और कोरिया के ब्रांडों की तरह वैश्विक हो? सालों से गूगल, माइक्रोसाफ्ट, फेसबुक और एपल की कोडिंग करते, बनाते और उन्हें चलाते आ रहे हैं, लेकिन चीन की तरह अपने बाइडू, वीचैट, टिकटाक और हुआवे क्यों नहीं बना पाए? चीन ने चैट जीपीटी के जवाब में आधा दर्जन एआइ माडल बना डाले, मगर भारत एक नहीं बना पाया। इसका कारण यह है कि भारत प्रायोगिक शिक्षा और अनुसंधान पर पूरा ध्यान नहीं देता। जब तक शिक्षा में सुधार नहीं होता तब तक भारत कोई शक्ति नहीं बन सकता।

महिलाओं को आगे बढ़ाने भगीरथ प्रयास क्यों नही

संजीव ठाकुर

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से प्रासंगिक हो गया है स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद होना पड़ा था इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी संपूर्ण योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ

सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50% भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

आत्मबल से भरा है भारत

डॉ नीरज भारद्वाज

आज विश्व के एकीकरण का समय माना जाता है अर्थात वैश्वीकरण। यह वैश्वीकरण कुछ और नहीं बल्कि व्यापार की दृष्टि से देशों का आपस में जुड़ना है। जब व्यापार होगा तो एक दूसरे देश की सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराएं भी विस्तार लेती चली जाती हैं। वैश्वीकरण ने व्यापार के रास्ते खोलने के साथ-साथ समाज में नयापन भरा है, लोगों की सोच में भी परिवर्तन किया है। देश-विदेश की दूरियों को भी कम किया है। आज भारत में अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ को लेकर बहुत सारी बातें हो रही हैं। कोई इसे भारतीय व्यापार पर कुप्रभाव की बात कर रहा है तो कोई आगामी परिणाम की बात कर रहा है। यदि हम थोड़ा सा पीछे हटकर देखें और बात करें तो प्रथम युद्ध का एक कारण यूरोपीय देशों का उपनिवेशवाद भी रहा। यह देश अपने लिए मंडी अर्थात बाजार खोज रहे थे।बाजार खोजते-खोजते इन यूरोपीय देशों ने एशिया के बहुत सारे देशों को गुलाम बनाना शुरू कर दिया। कई बार मन में प्रश्न उठता है कि एक छोटे से देश ने कैसे देखते ही देखते भारत जैसे विशाल भूखंड पर और इसकी प्राचीन सनातन संस्कृति पर अपना कुठाराघात किया। यह सत्ताधारी देश जिस देश पर अधिकार करते, उस देश की धन-संपदा तो लूटते ही थे साथ में वहां से कच्चा माल ले जाकर अपने देश के नाम पर विश्व में बेचकर मोटा पैसा कमाते थे। इन्होंने जिस भी देश पर अधिकार किया उस देश को चूस फेंका। गुलाम देशों में स्वतंत्रता को लेकर आंदोलन होते रहे, यह व्यापार में पैसा कमाते रहे हमारा भारतवर्ष भी उन दिनों ब्रिटिश शासन के अधीन गुलाम देश में से एक रहा।ध्यान देकर देखें तो दूसरे विश्व युद्ध का बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक मंदी रहा। यह आर्थिक मंदी भी पूरे यूरोपीय देशों और अमेरिका में ही रही। इन ताकतवर देशों ने अपने आसपास उभरते देशों को दबाना शुरू किया और दूसरा विश्व युद्ध हो गया। एक दृष्टि से दोनों विश्व युद्ध की जड़ में बड़ा कारण आर्थिक लड़ाई ही रहा। कहने का भाव है कि यूरोपीय देश रहे हों या अमेरिका, ये हमेशा से ही वैश्विक बाजार पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में लगे हुए हैं। इसके लिए कितना ही बड़ा युद्ध क्यों ना हो जाए विचार करें तो अब वैश्विक परिस्थितियों बहुत बदल चुकी हैं। विश्व के बहुत सारे देश स्वतंत्र रूप में अपना कार्य कर रहे हैं। जिन देशों पर अमेरिका या यूरोप अपना दबाव बढ़ाना चाहता है, वह देश उनसे किनारा करके अन्य देशों के साथ व्यापार करने पर तैयार हो जाते हैं। आज सभी के लिए सभी के कपाट खुले हुए हैं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने प्रथम कार्यकाल से ही कहते रहे हैं मेक इन इंडिया और स्वदेशी अपनाओ। दूसरी ओर देखेंगे तो पूरे स्वतंत्रता संग्राम में भी स्वदेशी अपनाओ की बात महात्मा गांधी जी ने भी कही। इससे विदेशी लोगों की कमर अपने आप ही टूट गई।आज हमारा देश हर क्षेत्र में कार्य कुशल है। अंतरिक्ष, विज्ञान, संचार, तकनीक आदि हर क्षेत्र में हमारे देश ने अपना लोहा विश्व को मनवाया है। कार्य और व्यापार के क्षेत्र में भी हम स्वावलंबी बनाकर अपनी ताकत के साथ काम कर रहे हैं। हम स्वयं एक मजबूत स्थिति में है। भारतवर्ष आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों को यह बात गले से नीचे नहीं उतर रही है। जिस गति से हमारी अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, हम तीसरे स्थान पर भी जल्द ही पहुंच जाएंगे।अमेरिका रोज-रोज अपनी टैरिफ नीति में बदलाव कर रहा है। टैरिफ में बदलाव कर वह भारत पर दबाव बना रहा है। कैसे भी हो वह हमारे और वैश्विक बाजार को डुबो देना चाहता है। भारतवर्ष और अन्य उभरते देश आर्थिक रूप से टूट जाए, ऐसा प्रयास चल रहा है। लेकिन अब ऐसा होने वाला नहीं है। 21वीं सदी का यह भारत कुछ नई दृष्टि और दृष्टिकोण से सोचता है।

श्रीमती टीसीए कल्याणी ने महालेखा नियंत्रक (सीजीए) का पदभार ग्रहण किया

भारत संवाद

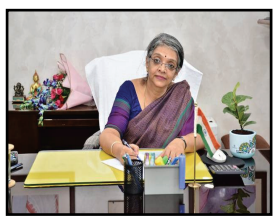

भारतीय सिविल लेखा सेवा (आईसीएएस) की 1991 बैच की अधिकारी श्रीमती टीसीए कल्याणी ने आज वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में नए महालेखा नियंत्रक (सीजीए) का पदभार संभाला। वह इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने वाली 29वीं अधिकारी हैं। श्रीमती कल्याणी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज से स्वर्ण पदक के साथ राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में स्नातकोत्तर और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन में एम.फिल. की उपाधि भी प्राप्त की है। 34 वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के साथ, श्रीमती कल्याणी सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन, लेखांकन, शासन और प्रशासन में व्यापक विशेषज्ञता रखती हैं। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में रक्षा, दूरसंचार, उर्वरक, वित्त, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, सूचना एवं प्रसारण और गृह मंत्रालय सहित प्रमुख मंत्रालयों में कार्य किया है। श्रीमती कल्याणी ने प्रौद्योगिकी को अपनाकर सार्वजनिक सेवा वितरण में पारदर्शिता और दक्षता को निरंतर बढ़ावा दिया है। उर्वरक खरीद सहायता के लिए किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना शुरू करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्रीमती कल्याणी ने महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) में ऑनलाइन बिल भुगतान और भुगतान कियोस्क के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व किया। उन्होंने भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड के पुनरुद्धार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिलाधिकारी ने अंदावा में बने मूर्ति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

मूर्ति विसर्जन के लिए विसर्जन स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को गणपति विसर्जन हेतु अंदावा के पास बनाये गये मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मूर्ति विसर्जन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु स्वच्छ जल की व्यवस्था के साथ-साथ प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने प्रकाश के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जनरेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन हेतु वाहनों के आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि मूर्ति विसर्जन स्थल के आस-पास कहीं पर भी जाम की स्थिति न होने पाये। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर सतर्कता एवं सावधानी बरतने के निर्देश दिये है। कहा है कि कोई भी गहरें पानी में न जाने पाये। लाइफ जैकेट की व्यवस्था भी सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। विसर्जन स्थल के पास उचित स्थान पर मोबाइल टॉयलेट आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को एम्बुलेंस, चिकित्सकों की टीम तथा आस-पास के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर डाक्टरों तथा बेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, फायर विभाग के अधिकारियों की तैनाती किये जाने के साथ-साथ साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने मूर्ति विसर्जन की व्यवस्था हेतु सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। अधिशाषी अभियंता, बाढ़ कार्य खण्ड को मूर्ति के विसर्जन वाले स्थल पर जेटी बनाने के साथ-साथ पुलिस विभाग को तालाब पर नाव व गोताखोरों की व्यवस्था, नगर निगम को तालाब के आस-पास सफाई, चूने आदि का छिड़काव, फिसलन से बचाव हेतु रैम्प तथा प्रतिमाओं को हटाये जाने तथा पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, यातायात विभाग को रूट डायवर्जन, यातायात की व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स की पर्याप्त व्यवस्था, विद्युत विभाग को विसर्जन स्थल पर प्रकाश व जनरेटर की व्यवस्था, मुख्य चिकित्साधिकारी को विसर्जन स्थल पर एम्बुलेंस, चिकित्सकों, दवाईयां व अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था, जलकल एवं जल निगम को विसर्जन स्थल पर पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए है।

फास्ट ट्रैक

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना चिल्ह, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 21.08.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की बहन के साथ दुष्कर्म के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चिल्ह मु0अ0सं0-203/2025 धारा 64(2)(के) बीएनएस व 3(2)(वी) एस.सी.एस.टी. एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना प्रभारी चिल्ह को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना चिल्ह पर पंजीकृत मुकदमें में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 01.09.2025 को उप निरीक्षक अरविन्द कुमार गुप्ता मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना चिल्ह क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त लवकुश मौर्या पुत्र लक्ष्मण मौर्या निवासी वार्ड न-15 लोहियानगर खम्हरिया थाना औराई जनपद भदोही को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0कटरा पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज 30.08.2025 को उप-निरीक्षक चन्द्रभान सिंह मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी प्रसुन टण्डन पुत्र रमेश टण्डन निवासी बीबी का बगीचा थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 03 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

थाना लालगंज जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 01.09.2025 को वादी छोटू सोनकर पुत्र लालजी सोनकर निवास, उसका थाना लालगंज जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की बकरी चुराने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। जिसके आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-344/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना प्रभारी लालगंज को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 01.09.2025 को उप निरीक्षक भारत सुमन मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से घटना से संबंधित 03 नफर अभियुक्त 1. रोहित पुत्र चाद, 2. अखिलेश पुत्र पारश नाथ व 3. कृष्ण कुमार उर्फ नन्हक पुत्र नन्दू निवासीगण खजुरी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया।

कानपुर देहात के 42 एरी रेशम कीटपालको के द्वितीय बैच का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का हुआ प्रारम्भ

मीरजापुर ,लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल राजकीय रेशम प्रशिक्षण संस्थान बरक्छा मीरजापुर में जनपद कानपुर नगर एवं कानपुर देहात के 42 एरी रेशम कीटपालको के द्वितीय बैच का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का प्रारम्भ हुआ। जिसके मुख्यातिथि श्री गजेन्द्र सिंह ब्लाक प्रमुख राजगढ़ थे। सर्व प्रथम श्री नागेन्द्र राम सहायक निदेशक रेशम द्वारा उनको माला एवं शाल भेंटकर स्वागत किया। श्री राम द्वारा विभाग के कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा कृषकों से ध्यानपूर्वक प्रशिक्षण लेने की अपील की है।

भारतीय रेलवे और भारतीय स्टेट बैंक ने श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में रेलवे कर्मचारियों को बीमा लाभ बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एसबीआई के साथ वेतन खाते बनाए रखने वाले रेलवे कर्मचारियों को आकस्मिक मृत्यु के लिए 1 करोड़ का बढ़ाया बीमा कवरेज मिलेगा

- रेलवे कर्मचारियों को रुपे डेबिट कार्ड पर 1.6 करोड़ एयर एक्सीडेंट (डेथ) कवर और 1 करोड़ तक का अतिरिक्त मिलेगा
- व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी कुल विकलांगता) 1.00 करोड़ का कवर और 80 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी आंशिक विकलांगता) कवर

भारत संवाद

भारत के दो प्रमुख संस्थानों - भारतीय रेलवे (आईआर), दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क और देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच आज एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर माननीय रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार और एसबीआई के अध्यक्ष श्री सी.एस. सेटी उपस्थित रहे। इस एमओयू के तहत, एसबीआई के साथ वेतन खातों को बनाए रखने वाले रेलवे कर्मचारियों के लिए बीमा कवरेज में काफी वृद्धि की गई है। आकस्मिक मृत्यु के मामले में, सीजीईजीआईएस के तहत कवर किए गए समूह ए, बी और सी कर्मचारियों के लिए क्रमशः 1.20 लाख, 60,000 और 30,000 के वर्तमान कवरेज की तुलना में बीमा लाभ बढ़ाकर 1 करोड़ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, एसबीआई के साथ केवल एक वेतन खाता रखने वाले सभी रेलवे कर्मचारी अब किसी भी प्रीमियम का भुगतान करने या किसी भी चिकित्सा परीक्षा से गुजरने की आवश्यकता के बिना 10 लाख के प्राकृतिक मृत्यु बीमा कवरेज के लिए पात्र होंगे। लगभग 7 लाख रेलवे कर्मचारियों के एसबीआई के साथ वेतन खातों को बनाए रखने के साथ, यह समझौता कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय रेलवे और एसबीआई के बीच देखभाल और रचनात्मक साझेदारी को दर्शाता है। इस एमओयू के तहत कुछ प्रमुख मानार्थ बीमा कवर में शामिल हैं: रुपे डेबिट कार्ड पर 1.60 करोड़ का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस (मौत) कवर और 1.00 करोड़ तक का अतिरिक्त; 1.00 करोड़ का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी कुल विकलांगता) कवर; और 80 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी आंशिक विकलांगता) कवर। दो प्रमुख संस्थाओं के बीच यह समझौता कर्मचारी-केंद्रित और कार्यबल को विशेष लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। विशेष रूप से समूह सी और फ्रंटलाइन रेलवे कर्मियों के लिए यह लाभदायक होगा।

श्री नरेश पाल सिंह ने किया उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण

भारत संवाद

भारतीय रेल के वर्ष 1988 बैच भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री नरेश पाल सिंह ने आज दिनांक 01 सितंबर 2025 को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। यह पद निवर्तमान महाप्रबंधक श्री उपेंद्र चंद्र जोशी के सेवानिवृत्त होने से रिक्त हुआ था। श्री सिंह को यह उनके बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के महाप्रबंधक के दायित्व के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार है। श्री सिंह ने अपने स्नातक की उपाधि आईआईटी, रुड़की से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में वर्ष 1987 प्राप्त की थी। श्री नरेश पाल सिंह ने रेलवे के कई प्रमुख पदों पर अपनी सेवा देते हुए असाधारण उपलब्धियां हासिल की है। अपने लंबे केरियर में इन्होंने मध्य रेलवे के मंडलों में विभिन्न क्षमताओं जैसे लोको शेड, लोको ऑपरेशन, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सामान्य सेवाएं आदि में कार्य किया है । उन्होंने मध्य रेलवे में मुख्य विद्युत इंजीनियर/रोलिंग स्टॉक, अपर मंडल रेल प्रबंधक/संचालन, मुंबई मंडल के रूप में भी उल्लेखनीय सेवा प्रदान की है। साथ ही, मुंबई रेल विकास निगम में मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना के रूप में भी कार्य किया। बनारस रेल इंजन कारखाना में कार्य भार ग्रहण करने से पूर्व, वे 01.09.2022 से मध्य रेलवे, मुंबई में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे। नवम्बर 2024 से महाप्रबंधक/बरेका का कार्यभार ग्रहण के उपरांत बनारस रेल इंजन कारखाना ने लोकोमोटिव उत्पादन के क्षेत्र में अनेक मील के पत्थर स्थापित किये हैं। इनके नेतृत्व में बरेका द्वारा निर्मित एयरोडायनेमिक हअढ-7 लोको ने तकनीकी उत्कृष्टता का नया उदाहरण प्रस्तुत किया, वहीं रेल ट्रैक पर सोलर पैनल लगाकर हरित ऊर्जा की दिशा में एक अनूठा कदम उठाया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी श्री सिंह के नेतृत्व में बरेका ने उल्लेखनीय कार्य किए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बरेका ने 477 लोको निर्माण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसके पूर्व श्री नरेश पाल सिंह के नेतृत्व में मध्य रेलवे में इलेक्ट्रिकल, डीजल रोलिंग स्टॉक, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन एवं सामान्य सेवा परिसंपत्तियों के रखरखाव तथा संचालन से संबंधित कई अभिनव परियोजनाओं को शुरू किया गया था। एक प्रमुख परियोजना 2/25ह्यश ट्रैक्शन सिस्टम में पहली बार ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) मास्ट पर ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर (OPGW) लगाकर एरियल अर्थ कंडक्टर को प्रतिस्थापित किया गया। इस परियोजना से भारतीय रेल को कई लाभ प्राप्त होंगे।

तपोनिधि श्री पंचायती आनंद अखाडा मे भरद्वाज पुरम के राजा श्री गणेश का भव्य दर्शन की बढती भीड : दुकानजी

भारत संवाद

प्रयागराज भरद्वाज पुरम स्थित तपोनिधि पंचायती आनन्द अखाडा मे विगत तिन वर्षो से हर 10 दिन के लिये भरद्वाज पुरम के राजा श्री गणेश जी अपनी गद्दी पर विराजमान होकर दर्शन करने आने वाले भक्तो को अपना आशीर्वाद उनके सभी मनोकामना को पूर्ण कर रहे है जिनका संयोजन अखाडा के स्वामी राजेश्वरा नन्द सरस्वती जी द्वारा विधिवत पूजन आरती कर भक्तो द्वारा भजन कीर्तन गाजे बाजे के साथ राजा श्री गणेश जी के आगमन के उपरान्त सभी भक्त बडे विधि विधान से उनका स्वागत करते है और भक्तो की जो मनोकामना होती है भरद्वाज पुरम के राजा श्री गणेश पुर्ण करते है जिसके लिये भक्तो की भीड़ बढती जा रही ये है भरद्वाज पुरम के राजा श्री गणेश जी जिनका भव्य दिव्य सुन्दर मन मोहने वाले स्वरूप मुख्य आकर्षण का केन्द्र बना है रोज मोदक मिष्ठान्न का भोग और सायंकाल 7 बजे विधिवत पूजन आरती प्रसाद वितरण यह जानकारी प्रेष को दुकानजी ने दिया

भारत संवाद

पद्मश्री से सम्मानित एवं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर, जो मॉस्को की उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल के विशिष्ट सदस्य हैं, को रूसी संघ में भारत के राजदूत महामहिम श्री विनय कुमार द्वारा विशेष रात्रिभोज समारोह हेतु आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन 4 सितम्बर 2025 को सायं 19:00 बजे होगा। रात्रिभोज का आयोजन जुराब त्सेरेतेली आर्ट गैलरी, मॉस्को (एप्पल हॉल) में किया जाएगा। यह कार्यक्रम 38वें मॉस्को अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत को गेस्ट ऑफ ऑनर कंट्री के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह अवसर भारत और रूस के प्रख्यात गणमान्य व्यक्तियों, विद्वानों एवं सांस्कृतिक हस्तियों को एक साथ लाकर भारत की वैज्ञानिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों को वैश्विक मंच पर साझा करने का अवसर प्रदान करेगा।

सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नेतृत्व में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थी भाई-बहनों एवं शिक्षकों ने पंच संकल्प लिया।कार्यक्रम का संचालन कक्षा 9 की छात्रा अंशिका मिश्रा ने की। छात्रा आरजू यादव ने हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान गीत प्रस्तुत कर सभी में गौरवान्वित करने का भाव जागृत किया। विद्यालय के सांस्कृतिक प्रमुख जयद्रथ श्रीमुख ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पंच संकल्प दिलाया, जिसमें

1. पर्यावरण सुरक्षा2. विद्यालय स्वच्छता3. राष्ट्रप्रेम4. विद्यालय एवं परिसर से लगाव 5. चरित्र निर्माण एवंअनुशासन

को प्रमुख रूप से शामिल किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में जब लोग विद्यालय एवं अपने मूल्यों को भूलते जा रहे हैं, ऐसे में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान जैसे संकल्प कार्यक्रम नई दिशा देने वाले हैं। भारत जैसे युवा देश में एक साथ लगभग 5 लाख विद्यालयों में यह संकल्प लिया जाना एक ऐतिहासिक पल है।कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राम सिंह यादव, कमलेश प्रसाद यादव, प्रवीण मिश्रा ,अरविंद त्रिपाठी राहुल पांडे शशांक त्रिपाठी अमित कुमार जैन आयुष कुमार श्रीवास्तव विभव प्रजापति मीणा धुरिया अनामिका तिवारी ममता मिश्रा सुमन पांडे आकांक्षा दुबे दिव्या त्रिपाठी खुशबू यादव रंजना दुबे रीना तिवारी सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और उन्होंने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

सात्विक आहार ही स्वस्थ जीवन और सशक्त राष्ट्र की कुंजीः स्वामी चिदानन्द सरस्वती

सही आहार ही सही विचार और स्वस्थ राष्ट्र की आधारशिला

भारत संवाद

ऋषिकेश। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अपने संदेश में कहा कि सात्विक, संतुलित और शुद्ध भोजन जीवन की संजीवनी है। यह शरीर को ऊर्जा, बल और रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है, वहीं मन को शांति और आत्मा को निर्मलता का अनुभव कराता है। आहार, आयु और आरोग्य का आधार है। वास्तव में, सात्विक आहार ही स्वस्थ जीवन और सशक्त राष्ट्र की कुंजी है। भारत में प्रतिवर्ष 1 से 7 सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम है सही खाओ, उत्तम जीवन पाओ। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन जीने की संजीवनी है। इस सप्ताह का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग में संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व को रेखांकित करना, कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना तथा जीवनशैली-जनित रोगों से बचाव हेतु जन-जागरूकता फैलाना है। भारत आज भी कुपोषण, एनीमिया और मोटापे जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में यह अभियान एक सामूहिक प्रयास है, जो स्वस्थ भारत, समर्थ भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आज जब आधुनिक जीवनशैली में फास्ट फूड, जंक फूड और प्रसंस्कृत भोजन का चलन बढ़ा है। ऐसे में जरूरी है कि युवा पीढ़ी को जागरूक करें कि सच्चा स्वास्थ्य संतुलित, सात्विक और शुद्ध आहार में ही निहित है। हमारे शास्त्रों में बताया है कि आहार आयु, बल, आरोग्य और सुख का मूल है। चरक संहिता में कहा गया है आहारसम्भवो वृत्तः अर्थात हमारी स्थिति और स्वास्थ्य, आहार पर ही निर्भर है। सात्विक आहार शरीर को शक्ति और मन को शांति प्रदान करता है। आधुनिक विज्ञान भी पुष्टि करता है कि विविध अनाज दालें, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, सूखे मेवे और पर्याप्त जल का सेवन करने से मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप और हृदय रोग जैसी जीवनशैली-जनित बीमारियों को रोका जा सकता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है कि जैसा आहार, वैसा विचार। सात्विक भोजन से मन शांत, बुद्धि निर्मल और संस्कार उज्ज्वल होते हैं। जब हम सात्विक और पौष्टिक आहार ग्रहण करते हैं, तो न केवल अपने शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मन, आत्मा और संपूर्ण जीवन को ऊर्जावान बनाते हैं। यही कारण है कि योग और ध्यान की साधना में सात्विक आहार को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण सम्भव है, इसलिए आहार को केवल भूख मिटाने का साधन न मानें, बल्कि उसे जीवन की पवित्र साधना समझकर अपनाएँ। भारत सरकार के पोषण अभियान, प्रधानमंत्री पोषण योजना और आईसीडीएस जैसी योजनाएँ समाज के वंचित वर्गों तक पोषण पहुँचाने का कार्य कर रही हैं। विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से बच्चों, युवाओं, माताओं और वृद्धजनों को संतुलित आहार के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। आइए, इस पोषण सप्ताह हम सब मिलकर संकल्प लें कि संतुलित, सात्विक और शुद्ध आहार के माध्यम से स्वयं को, अपने परिवार को और राष्ट्र को स्वस्थ, समर्थ और समृद्ध बनाएँ।

जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं कलेक्ट्रेट के सभी पटल सहायकों के साथ की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

भारत संवाद

- मा0 जनप्रतिनिधियों के द्वारा पृष्ठांकित पत्रों का अलग रजिस्टर में विवरण अंकित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए कृतकार्यवाही से मा0 जनप्रतिनिधियों को करायें अवगत

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को संगम सभागार में अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं कलेक्ट्रेट के सभी पटल सहायकों के बैठक करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभी कार्यालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें एवं सुविधाएं चुस्त-दूरूस्त बनाये जाने एवं जनता से जुड़े सभी कार्यों का शीघ्रता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी अपर जिलाधिकारियों को उनसे सम्बंधित कार्यालयों का चेक प्वाइंट बनाकर निरीक्षण करने एवं अपने-अपने कार्यालयों की कार्यपद्धति में गुणात्मक सुधार लाये जाने के लिए आवश्यक व्यवस्थायें किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें 15 दिनों में सुनिश्चित कर ली जाये। उसके बाद उनके द्वारा स्वयं निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायकों को उनके द्वारा मार्क किए गये पत्रों की मानीटरिंग करने हेतु एक व्यवस्था बनाये जाने के लिए कहा है, जिससे कि पत्र पर हो रही कार्यवाही की अद्यतन स्थिति की जानकारी हो सके। उन्होंने सभी पटल सहायकों को उनसे सम्बंधित पत्रों को रिव्यू करते हुए कार्यालय की कृतकार्यवाही से अवगत कराने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि उनके द्वारा प्रेषित किए गए पत्र यदि आपके पटल से ही सम्बंधित है, तो उसे तत्काल सम्बंधित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें तथा दूसरे पटल से सम्बंधित होने पर पत्र को सही पटल पर कार्यवाही हेतु प्रेषित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्तर पर आपके पटल पर पत्रों पर कार्रवाई लम्बित न रहे एवं प्रत्येक पटल पर मा0 जनप्रतिनिधियों के द्वारा पृष्ठांकित पत्रों का अलग रजिस्टर रहे, जिसमें उसका विवरण अंकित करते हुए यथाशीघ्र त्वरित कार्रवाई करते हुए कृतकार्यवाही से मा0 जनप्रतिनिधियों को अवगत भी करायें। उन्होंने पृष्ठांकित पत्रों के मानीटरिंग हेतु ई-आफिस की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायकों से कहा कि आपके पटल के आस-पास का वातावरण साफ-सुथरा हो, फाइलों का व्यवस्थित ढंग से रख-रखाव हो, अपने-अपने पटल पर अपने नाम, पदनाम की प्लेट लगाये एवं पटल से सम्बंधित कार्यों की लिस्ट को भी चस्पा करें। उन्होंने पुरानी निरीक्षण आख्या, ऑडिट रिपोर्ट पर आवश्यक कार्यवाही एवं गार्ड फाइल को अपडेट रखने, डिस्पैच रजिस्टर में पत्राचार का पूर्ण विवरण रखने के लिए कहा है।

ग्रामीणों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया गया

भारत संवाद

(सहारनपुर) सरकार द्वारा चलाए जा रहे वन महोत्सव के अंतर्गत असलमपुर बरथा ग्राम प्रधान चौधरी रामकुमार ने अपनी पंचायत में पौधा रोपण कर ग्रामीणों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की गई। पौधा रोपण वन महोत्सव में बोलते हुए ग्राम प्रधान चौधरी रामकुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम से लगाने का अभियान चलाया जा रहा है अतः हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना है जिस से कि प्रदेश का पर्यावरण का संतुलन बना रहे और हमे शुद्ध वातावरण मिलता रहे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए अधिक पेड़ों से हमारा पर्यावरण का संतुलन अच्छा बना रहेगा।। अतः ऐसे में हम ग्रामवासियों की जिम्मेदारी बनती है कि हम ज्यादा पेड़ लगाए और अपने परिवार के सदस्य की तरह उसकी देखभाल करें। कार्यक्रम को मुख्य रूप से सुरेन्द्र चौधरी गोविंदा चौधरी जनक मिंटू राकेश कुमार आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

किसानों व युवाओं को अर्थव्यवस्था से जोड़ना सराहनीयः नन्दी

शिवाश्रित फूड्स लिमिटेड के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के लिए आयोजित बेल रिंगिंग कार्यक्रम में सम्मिलित हुए मंत्री नन्दी

- परंपरागत कारोबार से हटकर नई दिशा में व्यापार को बढ़ाते हुए शेयर लांच करने पर मंत्री नन्दी ने दी शुभकामनाएं
- शिवाश्रित फूड्स लिमिटेड पहली कंपनी है जिसने निवेश के लिए एमओयू साइन किया और आइपीओ जारी किया: नन्दी

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सोमवार को होटल आभा ग्रैंड में परंपरागत कारोबार से हटकर नई दिशा में व्यापार को बढ़ाते हुए शेयर मार्केट में अपना आईपीओ लांच करने वाली शिवाश्रित फूड्स लिमिटेड के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के लिए आयोजित बेल रिंगिंग कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के बाद यह पहली कंपनी है जिसने निवेश के लिए एमओयू साइन किया और आइपीओ जारी किया। मंत्री नन्दी ने किसानों और युवाओं को अर्थव्यवस्था से जोड़ने के इस प्रयास को सराहा। कहा कि शिवाश्रित फूड्स कंपनी से किसानों को काफी मदद मिलेगी। रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। इस प्रकार किसानों व युवाओं को आर्थिकी से जोड़ना सराहनीय कार्य है। मा0 मंत्री श्री नन्दी ने शिवाश्रित फूड्स लिमिटेड के बेल रिंगिंग समारोह में शुभारम्भ घोषणा का प्रतीक बेल बजाकर शिवाश्रित फूड्स को एनएसई (प्रेशनल स्टॉक एक्सचेंज) में लिस्टेड होने की अलीगढ़ के महापौर एवं कार्यक्रम आयोजक छोटे प्रशांत सिंघल एवं निशान्त सिंघल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। भविष्य में और अधिक सफलता व ऊंचाई की कामना की। कंपनी संचालक निशांत सिंघल ने बताया कि सोमवार को कंपनी के शेयर नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) में लिफ्ट कर गए हैं। मा0 मंत्री श्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में निवेश प्रक्रिया सरल और समयबद्ध हुई है। हर क्षेत्र में उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसमें फूड सेक्टर भी शामिल है। अलीगढ़ की शिवाश्रित फूड लिमिटेड घरेलू मार्केट के साथ आलू फ्लेक्स का निर्यात भी करती है। मा0 मंत्री श्री नन्दी ने कहा कि 2017 के पहले बीमारू राज्य की श्रेणी में शामिल उत्तर प्रदेश आज देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक एक्सप्रेसवे वाला प्रदेश बन चुका है। वहीं एयरपोर्ट्स, वाटरवे, बेहतर रेल नेटवर्क नदियों का किनारा उत्तर प्रदेश की तरक्की में चार-चांद लगाता है। परंपरागत कारोबार से हटकर नई दिशा में व्यापार को बढ़ाते हुए शिवाश्रित फूड ने शेयर मार्केट में कदम रखा है।

फास्ट ट्रैक

उल्लेखनीय सेवाओं के लिए डा. आदित्य राठी सम्मानित

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी मुकेश शर्मा ने जताया हर्ष

भारत संवाद

सहारनपुर। डॉ. आदित्य राठी को भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंध निदेशक दिनेश पंत ने वाराणसी में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में उनकी विशिष्ट उपलब्धि हेतु सम्मानित किया। डा.राठी को सम्मानित किये जाने पर हर्ष जताते हुए प्रमुख समाजसेवी एवं अधिवक्ता मुकेश शर्मा ने बताया कि डॉ. राठी ने अपने कार्यक्षेत्र में निर्धारित लक्ष्यों को समय से पहले पूरा कर ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया और संस्था की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इस अवसर पर पूरे भारत से चुनिंदा लोगो को आमंत्रित किया गया था, जिनमें डॉ. राठी का नाम सहारनपुर में प्रमुख रहा मुकेश शर्मा ने बताया कि डा.राठी लगभग 29 वर्षों से एलआईसी में सेवा दे रहे डॉ. आदित्य राठी ने हजारों परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की है। वे म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं और ग्राहकों को दीर्घकालिक निवेश व वित्तीय नियोजन पर मार्गदर्शन देते रहे हैं।सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. राठी ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए गर्व का विषय है और मेरे तीन दशकों के समर्पण का प्रतीक है। वह इस उपलब्धि को अपने ग्राहकों, टीम और परिवार को समर्पित करते हैं। इस अवसर पर एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। डॉ. राठी की यह उपलब्धि न केवल संस्था के लिए गौरव का विषय है बल्कि युवा अभिकर्ता के लिए भी प्रेरणास्पद है।

म्हाड़ी मेले का एमएलसी ने किया उद्घाटन

भारत संवाद

सहारनपुर। नकुड में गोगा म्हाडी के मेले का एमएलसी सुरेश कश्यप द्वारा फीता काटकर मेले का किया गया उद्घाटन किया गया। क्षेत्र वासियों ने कहा कि एमएलसी का हमारे बीच में पहुंचना बड़ी सौभाग्य की बात है और कहा कि हम छेत्र वासियों ने जब भी सुरेश कश्यप जी को किसी सुख दुःख में आवाज दी उन्होंने बिना किसी भेद भाव के हमारे बीच समय पर पहुंचकर क्षेत्रवासियों का सम्मान बढ़ाया है और इसी बीच सुरेश कश्यप ने कहा कि मेरे या किसी भी समाज को मेरी किसी कार्यों में जरुरत तो एक बार जरूर आजमा कर देख ले मैं सर्व समाज को एक साथ लेकर चलना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी यदि आपकी सेवा करने का मौका मिला तो रात दिन सेवा करता रहूंगा कश्यप समाज के प्रधान सतीश कुमार कश्यप, सविता कश्यप, सोनू कश्यप, रिटायर मेजर नेत्रपाल कश्यप, पूर्व प्रधान मांगेराम कश्यप, देवेंद्र कश्यप, मास्टर जनाधन कश्यप, नाथीराम कश्यप, मास्टर सतीश कश्यप, आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाईन 50 जर्जर आवासों का डीआईजी ने किया निरीक्षण

ध्वस्तीकरण व नवनिर्माण के दिये निर्देश

भारत संवाद

सहारनपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह ने सोमवार को पुलिस लाइन्स सहारनपुर में पुलिस कर्मियों के राजकीय आवासों एवं बैरक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लगभग 50 आवास अत्यधिक पुराने और जर्जर हालत में पाए गए।पुलिस अधीक्षक यातायात/लाइन्स ने अवगत कराया कि इनमें से 29 आवासों को पहले ही निष्प्रयोज्य घोषित करने की कार्यवाही चल रही है। डीआईजी ने निर्देश दिए कि शेष 21 आवासों एवं पुलिस अस्पताल भवन को भी निष्प्रयोज्य घोषित करने की प्रक्रिया पूरी की जाए। साथ ही जिन आवासों की स्थिति बेहद खराब है, उनमें रह रहे कर्मचारियों को नोटिस देकर आवास खाली कराने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने मौके पर मौजूद सहायक अभियंता दीप्ति यादव एवं अवर अभियंता कुलदीप राणा को इन जर्जर भवनों को निष्प्रयोज्य घोषित कराने में आवश्यक सहयोग देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निष्प्रयोज्य घोषित करने के बाद नियमानुसार ध्वस्तीकरण व नवनिर्माण की कार्यवाही शीघ्र की जाए।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पुलिस अधीक्षक यातायात, सहायक पुलिस अधीक्षक लाइन्स, सहायक अभियंता, अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन्स मौजूद रहे।

मयंक की नहीं बचा पाए जान, मेडीकल कालिज के डाक्टर, वायगीरों ने भी किये खडे हाथ

डौली शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ।जनपद के अतरौली क्षेत्र के गाँव चाऊपुर घढिया में बीती रात करीब सुबह 2:30 वजे मयंक पुत्र हरेंद्र सिंह निवासी चाऊपुर घढिया उम्र लगभग 10 ,11 ,बर्ष अपनी माता अनीता के पास बैड पर सो रहा था तो उसे बिसैले सर्फ ने उसकी गर्दन पर काट लिया तभी वो चीखा तो पास मै सो रही मयंक की मां ने देखा कि बेटे के ऊपर सर्फ है तो उसने अपनी परबा न करके सर्फ को पकड कर फेंका तो सर्फ ने दुवारा पलट मारी और मयंक को उसी जगह कान के पास फिर काट लिया उसने सोर मचाया तो घर के लोग सभी जाग गये तो मालूम पडा तो अपने बेटे मयंक को आनन फानन मे तुरन्त गाड़ी से अलीगढ मेडीकल लाया गया ।बताया गया कि मेडीकल मैं इलाज तो किया लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया ।उसके बाद ।काफी दूर दूर तक के वायगीरों से झाड फूंक मन्त्र के द्वारा जहर को उतार ने की कोशिश की गई लेकिन सभी ने हाथ खड़े कर दिए । गाँव के लोगों ने वन बिभाग को भी इसकी जान कारी दी तभी सर्फ मित्र की टीम सर्फ को पकड़ने गाँव पहुंची और सर्फ मित्र सोनू भाई व विवेक राजपूत ने उस सर्फ को काफी मुश्किल से अपने कावू मै किया ।और उसके वारे मैं सभी को अपने बिस्तार से गाँव वालो को जानकारी कराई। और बताया ये सरफ सबसे जहरीला सर्फ है इसके काटने से आज तक कोई नही बचा ।अगर 30 या45 मिनट के अन्दर टीट मैंट नहीं मिला तो और उस सर्फ का नाम इन्डियन कोमन कण बताया और सर्फ के वारे मै ओर भी बहुत कुछ जानकरी बतायी । घर व सारे गाँव मे सभी का रो रो कर बुरा हाल है मयंक अपने माता पिता का इकलौता पुत्र था मयंक अपने पीछेएक अपनी बहन उम्र 15 बर्ष और बावा दादी को विलखा छोड गया है सभी रिस्तेदार व परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल हे और सारे गाँव मैं शोक की लहर छाई हुई है परम्परा के अनुसार मयंक को नरौरा गंगा घाट ले जाया गया और गंगा जी मैं प्रभावित किया गया है।।मयंक, दैनिक पवन कमल के एक बरिष्ठ पत्रकार ग्रामीण पत्रकार यूनियन के तहसील अध्यक्ष इगलास चौधरी बहादुर सिंह की भतीजी का इकलौता बेटा था ।

कलाकुलम सांस्कृतिक अकादमी का भव्य शुभारम्भ

भारत संवाद

सहारनपुर।एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक क्षण का अनुभव किया जब कलाकुलम सांस्कृतिक अकादमी भव्य उद्घाटन हुआ।इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में फिल्म, रंगमंच, संगीत, नृत्य और ललित कला के अनेक जाने-माने व्यक्तित्वों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की।

कार्यक्रम की शुरूआत नटराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई जिसमें कलाकुलम के संरक्षक योगेश पंवार, प्रवेश चैधरी, के.के गर्ग एवं चैधरी चरण सिंह विश्वविधालय और मेरठ चलचित्र सोसाइटी से पधारे डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ मनोज श्रीवास्तव, अम्बरीश पाठक एवं सुरेंद्र जी मौजूद रहे, जिसने कला और सृजनशीलता की पवित्र ज्योति को प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सहारनपुर के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित मंच है, जिसकी शहर को सख्त आवश्यकता थी।30 अगस्त को कलाकारी नामक चित्रकला प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा कल की गई जिसमें शहर के पूर्व विधायक संजय गर्ग द्वारा बच्चों को सम्मानित किया गया और इसी के साथ एक कला प्रदर्शनी का भी आयोजन हुआ जिसमें कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी को दर्शकों एवं कला-प्रेमियों ने अत्यधिक सराहा।

पूरे आयोजन में सकारात्मक ऊर्जा और रचनात्मक उत्साह का वातावरण रहा। सभी ने महसूस किया कि यह केंद्र आने वाले समय में सहारनपुर की सांस्कृतिक धरोहर को नई दिशा और ऊँचाई प्रदान करेगा। कलाकुलम सांस्कृतिक अकादमी के संस्थापक सदस्य रवि कर्णवाल, रजत धीमान एवं शुभम शर्मा ने इस भव्य उद्घाटन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी साथियों, शुभचिंतकों और अपने परिवार के सदस्यों एवं उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

प्रदेश के 30 जिलों में गुणवत्तायुक्त वासमती धान के लिए 11 कीटनाशक 60 दिन के लिए प्रतिबंधित

पीपीओ ने धान की फसल में वैकल्पिक रसायनों का प्रयोग करने की अपील की

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिला कृषि रक्षा अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी ने सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 60 दिन की अवधि के लिये उत्तर प्रदेश के 30 जिलों यथा- आगरा, अलीगढ, औरैया, बागपत, बरेली, बिजनौर, बदायूं, बुलन्दशहर, एटा, कासगंज, फरूर्खाबाद, फिरोजबाद, इटावा, गौतमबुद्धनगर, गाजियावाद, हापुड, हाथरस, मथुरा, मैनपुरी, मेरठ, मुरादावाद, अमरोहा, कन्नौज, मुजफ्फरनगर, शामली, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहाँपुर, एवं सम्भल में वासमती चावल में ट्राईसाइक्लाजोल, बुप्रोफेजिन, एसीफेट, क्लोरपाइरीफास, हेक्साकोनोजोल, प्रोपिकोनाजोल, थायोमेथाक्साम, प्रोफेनोफास, इमिडाक्लोप्रिड, कार्वोफ्यूरॉन एवं कार्वेण्डाजिम कीटनाशकों के सभी प्रकार के फार्मूलेशन की बिक्री, वितरण और प्रयोग को प्रतिसिद्व किया गया है ताकि गुणवतायुक्त वासमती चावल के निर्यात में वृद्धि की जा सकें। उन्होंने जिले के सभी कृषकों को सूचित किया जाता है कि धान की फसल में उपरोक्त प्रतिबंधित रसायनों के बजाय वैकल्पिक रसायनों का प्रयोग में ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि ट्राईसाइक्लाजोल के स्थान पर साइफनोकोनाजोल 25 प्रति० ई०सी०, स्यूडोमोनास 0.5 प्रति०डब्लू०पी०, बुप्रोफेजिन के स्थान पर कर्बोसल्फान 25 प्रति० ई०सी०, बाईफन्धिन 10 प्रति० ई०सी०, फिप्रोनिल 5 प्रति०एस०पी०, क्लोरपाइरीफास के स्थान पर बाईफैकन्थ्रिन, क्लोरोथायोनिल, काटापहाइड्रोक्लोराइड, एसीफेट के स्थान पर कार्बोसल्फान 25 प्रति० ई०सी०, ऐसीटामिप्रिड 20 प्रति०एस०पी०, फिप्रोनिल, इमिडाक्लोप्रिड के स्थान पर काटापहाइड्रोक्लोराइड, प्रोपिकोनाजोल के स्थान पर डाइफैनोकोनाजोल 25 प्रति० ई०सी० प्रयोग करें।

विधायक राम कदम ने लिया सागर पार्क उत्सव मंडल के गणपति बप्पा का आशीर्वाद

भारत संवाद / आदेश मिश्र

मुंबई/ घाटकोपर वेस्ट के अमृतनगर स्थित सागर पार्क उत्सव मंडल द्वारा स्थापित श्री गणपति बप्पा के दरबार में घाटकोपर वेस्ट विधानसभा के विधायक राम कदम पहुंचे। उन्होंने गणपति बप्पा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विधायक कदम ने मंडल के सभी सेवाधारियों का आभार व्यक्त किया और उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों की सराहना की।

दो मोबाइल चोर गिरफ्तार, मोबाइल बरामद

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना सरसावा पुलिस ने दो मोबाइल चोरों को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी का मोबाइल भी बरामद कर लिया। गत 21 जुलाई को वादी नितिन शर्मा पुत्र सूर्यकान्त शर्मा निवासी अखण्ड सत्संग भवन मन्दिर कस्बा व थाना सरसावा सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात चोर द्वारा मन्दिर से वादी का मोबाइल फोन चोरी कर ले जाने की सूचना के सम्बन्ध मे थाना सरसावा पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया। एसएसपी ने अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी नकुड के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष श्री विनोद कुमार के कुशल नेतृत्व मे आज ाना सरसावा पुलिस टीम द्वारा मोबाइल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए प्रकाश मे आये दो मोबाइल चोर रहमान पुत्र रिजवान निवासी मौहल्ला मिर्धान कस्बा व थाना सरसावा जिला सहारनपुर व सावेज पुत्र बाबू निवासी मौ0 हरिजनान कस्बा व थाना सरसावा जिला सहारनपुर को मीराजादी गांव से पहले सडक से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से चोरी गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी कई मुकदमों में वांछित है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसआई गौरव कुमार, मुख्य आरक्षी राजेन्द्र, आरक्षी जगदीश, जितेन्द्र शामिल रहे।

पिट्ठू एसोसिएशन डिस्ट्रिक्ट सहारनपुर का हुआ गठन

भारत संवाद

सहारनपुर। सहारनपुर जनपद में पिट्ठू खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिट्ठू कार्यशाला का आयोजन किया गया व कार्यशाला के दौरान पिट्ठू एसोसिएशन डिस्ट्रिक्ट सहारनपुर का गठन किया गया। जिसमें पुण्य गर्ग को अध्यक्ष व नेहा शर्मा को सचिव व मोहित शर्मा को कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। प्रथम सहारनपुर मंडल स्तरीय पिट्ठू कार्यशाला का आयोजन आर्य कन्या इंटर कॉलेज में किया गया। कार्यशाला में पहुंचे पिट्ठू एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के महासचिव वी.पी. सिंह व भारतीय पिट्ठू संगठन के तकनीकी सलाहकार आनंद प्रसाद शर्मा, पुण्य गर्ग, रविन्द्र शर्मा, अमित चैधरी का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। पिट्ठू कार्यशाला में वी.पी. सिंह व आनंद प्रसाद शर्मा के द्वारा पिट्ठू के बारे मे विस्तार से जानकारी देकर पिट्ठू खेल की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होने कहा कि पिट्ठू खेल को ग्रामीण व शहरी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कार्यशाला के दौरान पिट्ठू एसोसिएशन डिस्ट्रिक्ट सहारनपुर का गठन किया गया। जिसमें पुण्य गर्ग को अध्यक्ष, अमित चैधरी को संरक्षक, नेहा शर्मा को सचिव, अंतरिक्ष सैनी को सहसचिव, रुबिका नेगी को उपाध्यक्ष, सुषमा को चेयरमैन, नितिन भार्गव को वाइस चेयरमैन, मोहित शर्मा को कोषाध्यक्ष, रविंद्र शर्मा व राजेश्वर पुंडीर को वरिष्ठ सलाहकार, रवि कोरी व समीर को तकनीकी सहायक, अनिष्का कम्बोज को रेफरी कमेटी का इंचार्ज बनाया गया। सदस्य के तौर पर भानु पुंडीर, आर्यन, देवेंद्र कुमार, दीक्षा, देवांश, कनिष्क, धुर्वेश, मानसी, निकिता बिष्ट, निकिता जैन, पंकज, प्रदीप प्रजापति, पारुल, सचिन ठाकुर, राघव मिड्ढा, नीरू त्यागी, उदय चैधरी व विधि कश्यप को चुना गया।

हथनीकुंड बैराज से छोड़ा गया लाखों क्यूसेक पानी

पहाडों पर हो रही लगातार बरसात ने बढायी चिंता

सहारनपुर। पहाड़ों से लेकर मैदानों तक लगातार हो रही बारिश अब आफत बन चुकी है। मिर्जापुर थाना क्षेत्र की बरसाती नदियाँ उफान पर हैं, वहीं हथनीकुंड बैराज से यमुना नदी में अब तक तीन लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा जा चुका है। यह पानी दिल्ली समेत मैदानी क्षेत्रों में कहर बरपाने के लिए काफी है।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं.: 4920252026 ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना दिनांकः 27.08.2025
मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 25.09.2025 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.	अनुमानित मूल्य (रु.)	बयाने की रकम (रु.)
142	7,91,53,722.28	5,45,800.00

कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल इन्जीनियर/ उत्तर मध्य रेलवे/ चुनार और मिर्जापुर के अधीन प्री एण्ड पोस्ट बी0 सी0 एम0 और अन्य सम्बन्धित पी वे का कार्य।
कार्य समापन की अवधिः 12 माह | निविदा खुलने की तिथिः 25.09.2025
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः कोई भी पी. वे कार्य।
नोटः 1. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 1573/25 (ADM)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा संवाद वेब आफसेट, ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से मुद्रित एवं ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सूरजमुखी की चमक

भूमि का चुनाव

सूरजमुखी की फसल हर प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है, जहां पर पानी निकास का अच्छा प्रबंध हो।

प्रमुख किस्में

सूरजमुखी की एक मात्र किस्म मार्डन बहुत लोकप्रिय है परंतु अब कई संकर किस्में भी उपलब्ध हैं जैसे बीएचएस–1, केबीएसएस–1, ज्वालामुखी, एमएसएफएच–17, सूर्या आदि।

बुवाई का समय एवं विधि

सूरजमुखी की फसल प्रकाश संवेदी है अत: इसे वर्ष में तीन वार (रबी, खरीफ एवं जायद ऋतु) में बोया जा सकता है। जायद मौसम में सूरजमुखी को फरवरी के प्रथम सप्ताह से फरवरी के मध्य तक बोना सबसे उपयुक्त होता है, जायद मौसम में कतार से कतार दूरी 45 सेमी व पौध से पौध दूरी 25–30 सेमी की दूरी पर बुवाई करें।

खाद एवं उर्वरक

बुवाई से पूर्व 7–8 टन प्रति हेक्टेयर की दर से सड़ी हुई गोबर खाद भूमि में खेत की तैयारी के समय खेत में मिलायें व अच्छी उपज के लिए सिंचित अवस्था में यूरिया 130 से 160 किग्रा, एसएसपी 375 किग्रा व पोटाश 66 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। नाइट्रोजन की 2/3 मात्रा व स्फुर एवं पोटाश की समस्त मात्रा बोते समय प्रयोग करें एवं नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को बुवाई के 30–35 दिन बाद पहली सिंचाई के समय खड़ी फसल में देना लाभप्रद पाया गया है।

सिंचाई

जायद में बोयी गई (फरवरी माह में) सूरजमुखी की फसल में 3 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली सिंचाई बुवाई के 30–35 दिन बाद करें व इसी अवस्था में नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा का उपयोग करें द्वितीय सिंचाई 20–25 दिन बाद फूल आने की अवस्था में करें एवं अंतिम सिंचाई बीज बनने की अवस्था में करें।

कीट नियंत्रण

प्राय: सूरजमुखी की फसल पर एफिड्स, जैसिड्स, हरे रंग की सुंडी व हेड बोरर का प्रकोप अधिक होता है। रस चूसक कीट, एफिड्स, जैसिड की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर या एसिटामिप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें व सुंडी व हैड बोरर के नियंत्रण के लिए क्विनालाफॉस 20 प्रतिशत 1 लीटर दवा को या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर दवा को 600–700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।

रोग नियंत्रण

सूरजमुखी की फसल में मुख्यत: रतुआ, डाऊनी मिल्ड्यू, हेड राट, राइजोपस हेड राट जैसी समस्याएं आती हैं। पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल सुरक्षा

सूरजमुखी में बहुधा तोते सर्वाधिक नुकसान पहुंचाते हैं। तोते प्राय: दाने पड़ने की अवस्था से लेकर दाने पकने की अवस्था तक (एक माह) अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

कटाई एवं गहाई

फसल की कटाई उस समय करें जब कि फूल का पिछला हिस्सा नींबू जैसा पीला रंग का हो जाये और फूल झड़ जाये तो फसल तैयार समझना चाहिए। इस स्थिति में फूल को काटकर खलिहान में लायें व 3–4 दिन खलिहान में सूखने के बाद डंडों से पीटकर बीज निकालें।

उपज

सूरजमुखी की फसल 90–105 दिन में पककर तैयार हो जाती है व उन्नत विधि से उत्पादन करने पर 18–20 क्विंटल/ हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है।

मुनाफेदार छोटा खीरा

रकिन को छोटा खीरा भी कहा जाता है। इसका उत्पत्ति स्थान अफ्रीका है। अर्न्तराष्ट्रीय बाजार में इस फसल ने अपना अलग स्थान बनाया है। भारत में इसकी खेती पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक में की जाती हैं। उपयुक्त कृषि जलवायु होने के कारण भारतीय गरकिन उच्च गुणवत्ता वाली होती है। भारत से गरकिन स्पेन, बेल्जियम, श्रीलंका, फ्रांस, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, स्विटजरलेंड, हौलेंड, ब्राजील, स्वेडन, अर्जेंटीना आदि देशों में निर्यात किया जाता है। भारत में गरकिन को सम्पर्क खेती के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कृषि पद्धति में विभिन्न संस्थायें किसानों को बैंकों के माध्यम से ऋण दिलाकर तथा उच्च गुणवत्ता के पौध रोपण सामग्री उपलब्ध कराकर खेती कराते हैं तथा इनकी उपज को उचित दाम में खरीदकर एवं संग्रहित कर बाजार या प्रसंस्करण इंडस्ट्री को भेजते हैं। गरकिन का प्रसंस्करण और निर्यात 1990 में कर्नाटक में शुरू हुआ था, फिर यह धीरे–धीरे तमिलनाडू और आंध्रप्रदेश में फैल गया। रूस अधिक मात्रा में भारतीय गरकिन का आयात करता है। भारत से गरकिन का औसतन 2,25,000 मेट्रिक टन प्रतिवर्ष निर्यात होता है, जिसकी कीमत लगभग 700 करोड़ रूपये होती है। निर्यात के लिए गरकिन को बाईन, विनेगर या एसीटिक एसिड में सुरक्षित रखते हैं। एक एकड़ खेती के लिए लगभग 20,000 औसतन खर्च आता है।

जलवायु एवं मिट्टी

गरकिन की खेती वर्ष भर की जा सकती है। लेकिन उष्ण जलवायु इसके लिए उपयुक्त है। औसतन तापमान 18–24 डिग्री से.ग्रे. की आवश्यकता पड़ती है। कम तापमान अंकुरण एवं फूल को प्रभावित करता हैं। गरकिन को सभी प्रकार की मिट्टी में लगाया जा सकता है। उचित जल निकास एवं उर्वरता वाली मिट्टी इसकी खेती के लिए अनुकूल है। मिट्टी का पी एच 6–6.5 तक होना चाहिए।

बीजदर एवं बुआई

इसके लिए 11000–15000 बीज प्रति एकड़ की आवश्यकता पड़ती है। कतार से कतार के बीज की दूरी 1 मीटर तथा बीज से बीज की दूरी 30 से.मी. रखते हैं। खेत में 10 फीट की दूरी पर खंभे लगाकर उस पर तार को बांध देते हैं। जिससे पंडाल की आकृति बन जाती है। जब पौधा बड़ा होने लगता है तब जूट रस्सी की सहायता से उसे खंभा पर चढ़ा देते हैं।

सिंचाई

प्रत्येक कतार में एक ड्रिप की लाईन बिछा दें। ड्रिप की सहायता से मिट्टी में नमी के आधार पर 2–3 घंटे के अंतराल पर खेत में सिंचाई करें।

खरपतवार नियंत्रण

खेत में खरपतवार को बीज बोने से 15 दिन के अंतर पर तीन बार निकालें।

खेत की तैयारी

मिट्टी को 3–4 बार गहरी जुताई करके 10–15 टन प्रति एकड़ गोबर खाद मिलाते हैं। खेत की मेड़ 15 से.मी. ऊंची एवं 1 मीटर चौड़ी बनाते हैं। उर्वरक को मिट्टी जांच के आधार पर चार भागों में कर उपयोग करें। सामान्यतया 100 कि.ग्रा. डीएपी एवं 100 कि.ग्रा. नीम केक का उपयोग करें।

तिल

भूमि

दोमट, हल्की चिकनी एवं कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करें। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5–6 किग्रा/ हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/किग्रा) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें। बीजों के समान वितरण हेतु बीज : गोबर की खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

उन्नत किस्में

ग्रीष्म ऋतु हेतु तिल की अनुशंसित किस्में टीकेजी–22, टीकेजी–55, जेटीएस–8, टीकेजी–306 फरवरी के तृतीय से चतुर्थ सप्ताह में बोयें। बोने में कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख / हे. प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा नत्रजन:फास्फोरस: पोटाश/ हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा बोनी के समय तथा शेष आधी नत्रजन की मात्रा बोने के 3–4 सप्ताह बाद डालें।

निराई-गुड़ाई

बोने के 15–20 दिन बाद निराई–गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें।

सिंचाई

जायद मौसम हेतु ऐसी किस्मों का चयन करें। जो कम पानी व कम समय में अधिक उत्पादन दे। सामान्य तौर पर मई–जून में 7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए तथा सिंचाई सुबह–शाम करें। फूल आने तथा फलियां बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

कीट नियंत्रण

तिल को पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट पौधों की पत्ती अवस्था में एवं फूलों के अंदर घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फल्ली में छेदकर फसल को नुकसान पहुंचाती है। क्विनालफॉस 25 ईसी (2 मिली/ली.) या डाइमेथियेट (1 मिली/लीटर) का आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

रोग नियंत्रण

तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता हैं जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते हैं। अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती है। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकटठा कर नष्ट करें। डायथेन एम–45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगें तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

उपज

700–800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।

भारत पर एक्शन लेने को यूरोपीय देशों को उकसा रहे थे ट्रंप

इधर रूस ने एव चीफ का प्लेन ही जाम कर दिया

ट्रंप अब अमेरिका तक सीमित नहीं रहना चाहते हैं। उन्होंने साफ संदेश यूरोपीय देशों को दिया। उनका कहना है कि ईयू देश भी भारत पर दबाव डाले और भारत से तेल खरीदना बंद करे। वैसे देखा जाए तो यूरोपियन दिखावे में ट्रंप का साथ दे रहे हैं, लेकिन पीछे में रूस से एनर्जी डील भी कर रहे हैं। अमेरिका इससे नाराज है। व्हाइट हाउस को लगता है कि यूरोप का रवैया इस युद्ध को लंबा खींच रहा है। इसलिए अब अमेरिका चाहता है कि यूरोप भी भारत पर टैरिफ व प्रतिबंध लगाए।

एजेंसी

इस बात की चर्चा तेज हो चली है कि क्या भारत और अमेरिका के रिश्तों में दरार गहराती जा रही है। पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया और अब यूरोपीय देशों को भी भारत के खिलाफ खड़ा होने का ऑर्डर दे रहे हैं। ट्रंप का आरोप है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदता है और रूस की इकोनॉमी को सपोर्ट करता है। उनका कहना है कि यही पैसा रूस-यूक्रेन युद्ध में झोंका जा रहा है। ट्रंप अब अमेरिका तक सीमित नहीं रहना चाहते हैं। उन्होंने साफ संदेश यूरोपीय देशों को दिया। उनका कहना है कि ईयू देश भी भारत पर दबाव डाले और भारत से तेल खरीदना बंद करे। वैसे देखा जाए तो यूरोपियन दिखावे में ट्रंप का साथ दे रहे हैं, लेकिन पीछे में रूस से एनर्जी डील भी कर रहे हैं। अमेरिका इससे नाराज है। व्हाइट हाउस को लगता है कि यूरोप का रवैया इस युद्ध को लंबा खींच रहा है। इसलिए अब अमेरिका चाहता है कि यूरोप भी भारत पर टैरिफ व प्रतिबंध लगाए। लेकिन इन सब के बीच यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष के साथ एक बड़ी घटना घट गई है। कहा जा रहा है कि इस घटना में भारत के पक्के दोस्त रूस का हाथ है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन को ले जा रहे विमान को बुल्गारियाई हवाई क्षेत्र में जीपीएस जाम करके निशाना बनाया गया।

कहा जा रहा है कि इस घटना में रूस का हाथ है। रूस और बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों की वॉन डेर लेयेन की यात्रा के तहत प्लोवदिव हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए विमान का जीपीएस सिग्नल हवाई अड्डे के पास पहुँचते ही टूट गया। हालाँकि, उनका विमान सुरक्षित उतर गया। पोडेस्टा ने कहा कि हम निश्चित रूप से पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जाम हो गया था। हमें बल्गेरियाई अधिकारियों से जानकारी मिली है कि उन्हें संदेह है कि यह रूस के स्पष्ट हस्तक्षेप के कारण हुआ था। पोडेस्टा ने कहा कि यह घटना वास्तव में उस मिशन की तात्कालिकता को रेखांकित करती है जिसे राष्ट्रपति अग्रिम पंक्ति के सदस्य देशों में चला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वॉन डेर लेयेन ने रूस और उसके सहयोगियों से आने वाले खतरों की रोजमर्रा की चुनौतियों को प्रत्यक्ष रूप से देखा है।

ट्रम्प के सलाहकार बोले-रूसी तेल से भारतीय ब्राह्मणों को मुनाफा

कीमत पूरा देश चुका रहा; भारत के चीन-रूस के करीब जाने से दुनिया में अशांति फैलेगी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए। नवारो ने भारत को ह्यरूस की धुलाई मशीनह्न कहा

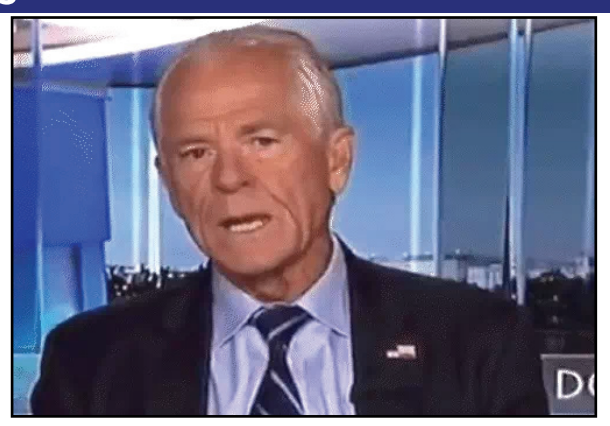

और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं। कांग्रेस बोली- अमेरिका को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को पीटर नवारो की विवादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (एअउ) के सदस्य और जाने-माने अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने भी नवारो की टिप्पणी को गलत ठहराया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह बयान बताता है कि अमेरिका के बौद्धिक क्षेत्रों में भारत के प्रति किस तरह के पूर्वाग्रह हावी हैं। यह सोच सीधे तौर पर 19वीं सदी के जेम्स मिल जैसे औपनिवेशिक लेखकों की विरासत है। इससे पहले भी नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया।

और रूस? जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं। नवारो ने कहा था कि अगर आज भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर दे तो अमेरिका कल से उसका 25% टैरिफ खत्म कर देगा। पीटर नवारो को ट्रम्प अपना सबसे करीबी सलाहकार मानते हैं।

पाकिस्तान विमान दुर्घटनाः पाकिस्तानी सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 5 लोगों की मौत

गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक के अनुसार, थोर घाटी के हुदुर गाँव में एक नए प्रस्तावित हेलीपैड पर परीक्षण लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

एजेंसी

पाकिस्तान का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान के डायमर ज़िले की थोर घाटी में सोमवार सुबह पाकिस्तानी सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी पाँच कर्मियों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक के अनुसार, थोर घाटी के हुदुर गाँव में एक नए प्रस्तावित हेलीपैड पर परीक्षण लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तकनीकी खराबी के कारण हुई इस दुर्घटना में दो पायलट और तीन तकनीकी चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। फारक ने एक बयान में कहा चिलास के थोर में हमारा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। तकनीकी खराबी के कारण लैंडिंग के दौरान यह दुर्घटना हुई। ट डायमर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल हमीद ने बताया कि दुर्घटना के समय हेलीकॉप्टर नियमित जाँच में लगा हुआ था। उन्होंने पुष्टि की, दो पायलटों सहित पाँच लोगों के हताहत होने की सूचना है। हालाँकि शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि तकनीकी खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई, लेकिन अभी तक सटीक कारण का पता नहीं चल पाया है। इसी साल 15 अगस्त को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के मोहमंद ज़िले में एक और टक-17 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हेलीकॉप्टर बाढ़ राहत अभियान में लगा था और प्रभावित इलाकों में रसद पहुँचा रहा था, तभी खराब मौसम के कारण यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दो पायलटों समेत पाँच लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान में हाल के वर्षों में कई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ हुई हैं। 28 सितंबर, 2024 को, तेल कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रहा एक चार्टर्ड हेलीकॉप्टर उत्तरी वजीरिस्तान में उड़ान के दौरान इंजन फेल होने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। इससे पहले, 25 सितंबर, 2022 को बलूचिस्तान में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में छह पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी कई दुर्घटनाओं ने देश में विमानन सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं।

ट्रम्प का दावा- भारत अमेरिका पर टैरिफ घटाने को तैयार

कहा- अब देर हो चुकी, भारत को पहले ही टैरिफ कम कर देना चाहिए था

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को दावा किया कि भारत ने अब अमेरिका पर टैरिफ कम करने की पेशकश की है, लेकिन काफी देर हो चुकी है। उन्होंने भारत के साथ व्यापार संबंधों को 'एकतरफा' बताते हुए कहा कि भारत अमेरिका को बहुत सारा सामान बेचता है, लेकिन अमेरिका भारत को बहुत कम सामान बेच पाता है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि भारत ने अमेरिकी सामानों पर बहुत ज्यादा

टैरिफ लगाए, जिससे अमेरिकी कंपनियों को भारत में सामान बेचना मुश्किल हो गया। यह पूरी तरह से एकतरफा आपदा रही है! उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर तेल और मिलिट्री उपकरण रूस से खरीदता है, न कि अमेरिका से। ट्रम्प ने इसे सालों पुरानी दिक्कत बताया और कहा कि भारत को पहले ही टैरिफ कम कर देना चाहिए था। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने रउड समिट के दौरान चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की है। दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह 21वीं सदी की सबसे खास साझेदारी है। उन्होंने कहा कि इस महीने दोनों देश अपने लोगों, तरक्की और नई संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं। नई तकनीक, कारोबार, रक्षा और आपसी रिश्तों से यह दोस्ती और गहरी हो रही है। मार्को रुबियो ने कहा- यह दोस्ती दोनों देशों के लोगों के प्यार और विश्वास से चलती है। दोनों देश मिलकर नए मौके तलाश रहे हैं, जैसे तकनीक, रक्षा और संस्कृति में एक-दूसरे का साथ देना। ट्रम्प के बयान से कुछ देर पहले ही उनके ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया था।

पप्पू यादव का दावाः जब तक राहुल गांधी हैं, संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित

एजेंसी

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने राहुल गांधी की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के समापन पर दावा किया कि जब तक राहुल गांधी हैं, संविधान, लोकतंत्र और जनता सुरक्षित है। उन्होंने राहुल को जनता के अधिकारों का संरक्षक बताते हुए बिहार और देश के लिए उनके नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया, जो भाजपा पर 'वोट चोरी' के आरोपों के बीच विपक्षी एकजुटता दर्शाती है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तारीफ करते हुए पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने सोमवार को कहा कि जब तक कांग्रेस सांसद हैं, संविधान सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि बिहार ने एक नया मोड़ लिया है और राज्य में बदलाव की आवाज गूंज रही है। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में बदलाव की आवाज गूंज रही है... जब तक राहुल गांधी हैं, संविधान सुरक्षित है, लोकतंत्र सुरक्षित है, जनता सुरक्षित है और देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने लोगों के अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी ली है और लोगों को उन पर पूरा भरोसा है। पप्पू यादव ने कहा कि इसलिए, बिहार और देश के अधिकारों की रक्षा के लिए राहुल गांधी ने जो यात्रा शुरू की है, आज पूरा बिहार, इंडिया गठबंधन के नेता और देश के युवा उनकी ओर विश्वास से देख रहे हैं। बिहार के युवा और गरीब पूरी तरह से राहुल गांधी के साथ खड़े हैं। पप्पू यादव मतदाता अधिकार यात्रा के समापन के दिन पटना में राहुल गांधी के साथ शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कथित 'वोट चोरी' और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को उजागर करने के लिए राहुल गांधी द्वारा निकाली गई 16 दिवसीय यात्रा आज पटना में समाप्त हो रही है। यह रैली 18 अगस्त को राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के साथ सासाराम में शुरू हुई थी। वहाँ से, यह रैली औरंगाबाद, गयाजी, सीवान और अन्य 25 जिलों में फैली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता यूसुफ पठान और ललितेश पति त्रिपाठी भी पटना में अपने समापन दिवस पर राहुल गांधी के नेतृत्व वाली मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल होने वाले हैं। कई अन्य इंडिया ब्लॉक नेता विभिन्न स्थानों पर यात्रा में शामिल हुए हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, सीपीआई (एमएल) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन रैली में शामिल हुए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सहित अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी यात्रा में भाग लिया।

वोट चोरी के 17 हजार सबूतों पर क्यों खामोश है ईसीआई?

अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग को बताया जुगाड़ आयोग

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को जुगाड़ आयोग करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा है। बिहार चुनाव से पहले विपक्ष ने पूरी तरह से सरकार और चुनाव आयोग को वोटों की हेराफेरी के मामले में कटघरे में खड़ा कर रखा है। कांग्रेस सहित इंडिया ब्लॉक की पार्टियां सरकार और निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगा रही है लेकिन अभी तक किसी भी आरोप को सिद्ध नहीं कर पायी हैं। अब ताजा हमला अखिलेश यादव ने चुनाव अयोग पर लगाया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूछा है कि जब वह एआई से घपला पकड़ सकता है, तो सपा के 17,986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। ये हलफनामे कथित तौर पर मतदाता सूची में हेराफेरी और वोट डकैती से संबंधित हैं, जिस पर आयोग की चुप्पी राजनीतिक गलियारों में बहस का विषय बनी हुई है। सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा निर्वाचन आयोग समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को जुगाड़ आयोग करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से अधिक शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है? सपा प्रमुख यादव ने तंज कसते हुए अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा जब जुगाड़ आयोग एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से सवा करोड़ रुपये का अपना घपला पकड़ सकता है तो फिर हमारे द्वारा दिये गये 18,000 में से केवल 14 हलफनामों (शपथ पत्र) का जवाब देने के बाद बचे 17986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है? इस पोस्ट में यादव ने एक समाचार चैनल का वीडियो साझा किया है जिसमें यह दावा किया गया है कि एआई के जरिए पंचायत चुनाव के मद्देनजर सवा करोड़ मतदाता कम किए गए हैं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि एआई के जरिए अलग अलग गांवों में डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान हुई है जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा पिछले माह एक प्रेसवार्ता में वोट चोरी और अन्य अनियमितताओं के विपक्ष के आरोपों को गलत बताया गया था।

के कविता का बीआरएस में बगावती तेवर, केसीआर को फंसाने में अपनों का हाथ, मैं खाल उधेड़ दूंगी!'

वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और पूर्व राज्यसभा सांसद 'मेघा' कृष्णा रेड्डी ने केसीआर पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाने में भूमिका निभाई। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पार्टी के भीतर साजिशों का सामना करना पड़ा और उन्होंने हरीश राव और संतोष कुमार पर भी उंगली उठाई। बीआरएस कार्यकर्ताओं को सोचना चाहिए कि केसीआर पर भ्रष्टाचार का दाग कैसे लग गया? यह उनके आस-पास के लोगों की वजह से है। हरीश राव और कृष्णा रेड्डी की इसमें भूमिका थी। मैंने हरीश राव और संतोष कुमार की सारी साज़िशें झेलीं।

एजेंसी

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की छवि खराब करने के लिए सीधे तौर पर अपने ही सहयोगियों को ज़िम्मेदार ठहराकर पार्टी में खलबली मचा दी है। कविता ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और पूर्व राज्यसभा सांसद 'मेघा' कृष्णा रेड्डी ने केसीआर पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाने में भूमिका निभाई। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पार्टी के भीतर साजिशों का सामना करना पड़ा और उन्होंने हरीश राव और संतोष कुमार पर भी उंगली उठाई। बीआरएस कार्यकर्ताओं को सोचना चाहिए कि केसीआर पर भ्रष्टाचार का दाग कैसे लग गया? यह उनके आस-पास के लोगों की वजह से है। हरीश राव और कृष्णा रेड्डी की इसमें भूमिका थी। मैंने हरीश राव और संतोष कुमार की सारी साज़िशें झेलीं। उनकी यह टिप्पणी बीआरएस के भीतर चल रही आंतरिक कलह के बीच आई है, जहाँ कविता ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर केसीआर की छवि खराब करने और पार्टी के मामलों में उन्हें दरकिनार करने का आरोप लगाया है। कालेश्वरम सिंचाई परियोजना पर, कविता ने अपने पिता के दृष्टिकोण का बचाव करते हुए इसे एक महान संपत्ति बताया जिसे लोग 200 वर्षों तक याद रखेंगे।

देश जानता है लोकतंत्र के असली हत्यारे कौन हैंः सम्राट चौधरी

सम्राट चौधरी ने विपक्ष को लोकतंत्र का हत्यारा करार देते हुए प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी की निंदा की और माफी की मांग की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी से जेपी आंदोलन के दौरान 100 सरकारों को बर्खास्त करने और नेताओं को जेल में डालने के लिए भी माफी मांगने की मांग कर, मौजूदा राजनीतिक बहस में ऐतिहासिक संदर्भ जोड़ा।

सम्राट चौधरी का विपक्ष पर हमला

एजेंसी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरा देश जानता है कि लोकतंत्र के हत्यारे कौन हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से देश में लोकतंत्र स्थापित है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कल्याणकारी कार्य कर रही है। चौधरी ने एएनआई से कहा कि पूरा देश जानता है कि लोकतंत्र के हत्यारे कौन हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार 11 वर्षों से चल रही है, पूरे देश में लोकतंत्र स्थापित हुआ है, यह जनता की सरकार है और लोगों के कल्याण के लिए काम किया जा रहा है। बिहार के उप-मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हालिया विवादास्पद टिप्पणी को लेकर विपक्ष की आलोचना की और पूछा कि क्या वे अपने द्वारा शुरू किए गए 'गाली-गलौज और अपमान' अभियान के लिए माफी मांगेंगे। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष इस मुद्दे पर माफी नहीं मांगता है तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी लगातार लोगों को न्याय दिला रहे हैं... मैं महागठबंधन के लोगों से पूछना चाहता हूँ: क्या आप इस 'गाली-गलौज और अपमान' अभियान को शुरू करने के लिए माफी मांगेंगे? अगर नहीं, तो आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे।

पिछले हफ़्ते, इंटरनेट पर एक कथित वीडियो वायरल हुआ था जिसमें आरोपी को इंडिया ब्लॉक के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर अपशब्द कहते हुए दिखाया गया था। शुक्रवार को, बिहार में एक राजनीतिक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत माँ को गालियाँ देने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। सम्राट चौधरी ने 1970 के दशक के जेपी आंदोलन का जिक्र करते हुए यह भी मांग की कि कांग्रेस पार्टी देश भर में 100 सरकारों को बर्खास्त करने के लिए माफी मांगे। जेपी आंदोलन 1970 के दशक में समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में एक राजनीतिक आंदोलन था, जिसका केंद्र तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर लगे कुशासन के आरोप थे।